



An Initiative of IMS  
Ghaziabad Society Towards  
Academic Excellence



P-5

Department of IT Received  
Accreditation from National  
Board of Accreditation (NBA)



P-8

जनरल रावत की हादसे में  
मौत देश को बड़ा झटका

आई.एम.एस. टुडे

# IMS TODAY

► Issue – 9, Year – 9

► Ghaziabad, 9th January-2022

► www.imsec.ac.in

► Language – Hindi & English/ Monthly

► Pages – 8, Price : ₹2

## कोरोना की तीसरी लहर से शिक्षा जगत को बचाने की चुनौती

**गाजियाबाद।** कोरोना वैश्विक महामारी का नया वैरिएंट ओमीक्रॉन का असर भारत में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। विभिन्न राज्यों ने एक बार फिर अलर्ट जारी कर दिया है। कुछ राज्यों ने तो स्कूलों सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों को बंद करने की घोषणा कर दी है। विशेषज्ञों ने कहा है की ओमीक्रॉन का संक्रमण वैरिएंट डेल्टा वैरिएंट से अधिक तेज गति से फैलता है। हालांकि यह वैरिएंट पर्यटन उद्योग सहित संपूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए बेहद खतरनाक है लेकिन यह भारत की शिक्षा व्यवस्था पर व्यापक असर डाल सकता है। शिक्षण संस्थानों में एक बार फिर ऑनलाइन शिक्षा का दबाव बढ़ने लगा है।

कोरोना के नए वैरिएंट ओमीक्रॉन ने विश्व के अमेरिका, ब्रिटेन और अफ्रीकी देशों में कोहराम मचा रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि यह वैरिएंट डेल्टा को पीछे छोड़ सकता है क्योंकि यह पिछले वैरिएंट की तुलना में ज्यादा संक्रामक है।

कोविड महामारी की दो लहरों का सर्वाधिक असर भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर पड़ा है। पिछले दो वर्षों में भारत में कोरोना महामारी की दो लहरें आ चुकी हैं। विगत वर्ष आई दूसरी लहर में भारत में पहली लहर की तुलना में अधिक मौतें हुई थीं। इस दौरान भी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों को बंद करना पड़ा था। शिक्षकों और विद्यार्थियों को ऑनलाइन मोड में पठन-पाठन करना पड़ा था। कई कारणों से इसका असर प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों पर पड़ा। हर घर में स्मार्टफोन अथवा कंप्यूटर की अनुपलब्धता, इंटरनेट की समुचित सुविधा का न होना, नेटवर्क की कनेक्टिविटी कमजोर होने के चलते लाखों



### हिंसा और बाल शोषण बढ़ा

पिछली बार तालाबंदी के दौरान महिलाओं पर हिंसा और बाल शोषण में जबरदस्त इजाफा हुआ। बालिका विवाह और बाल मजदूरों की संख्या भी तेजी से बढ़ी। इससे बालक और बालिकाएं शिक्षा से दूर हो रही हैं। लॉकडाउन के दौरान अनेक अभिभावकों की नौकरियां जाने अथवा तनखाहों में कटौती की वजह से अभिभावकों के समक्ष स्कूल और कॉलेज की फीस भरने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

विद्यार्थी शिक्षा से वंचित रहे। यही नहीं, इसका सर्वाधिक प्रतिकूल असर छोटे-छोटे स्कूलों छत्र एवं छात्राओं पर हुआ।

जाहिर है कि देश के करोड़ों विद्यार्थी तो नेबेल पुरस्कार विजेता कवि, लेखक, पेंटर, दार्शनिक रवींद्रनाथ ठाकुर हैं नहीं जो घर पर मिली शिक्षा की बदौलत पूरी दुनिया से अपनी विद्वता को लोहा मनवा लेंगे। पिछली दो लहरों के चलते जहां देश की स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा बेतहाशा बढ़े हुए संक्रमितों की सेवा करने में चरमरा गया था, वहीं शिक्षा का तंत्र

भी बार-बार किए जाने वाले लॉकडाउन की मार से परत है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नए वैरिएंट से सबसे ज्यादा खतरा बच्चों को है। इसलिए शिक्षण संस्थानों के खुलने पर विद्यार्थी इसकी चोट में आ सकते हैं। लेकिन शिक्षण संस्थानों के लगातार अथवा बार-बार बंद रहने से भारतीय समाज की शिक्षा व्यवस्था के ताने-बाने के नष्ट होने का खतरा पैदा हो गया है।

गुरुकुल की ज्ञान परंपरा का पालन करने वाले भारत देश में ऑनलाइन शिक्षा अपना करिश्मा नहीं दिखा पाई है। हालांकि इसमें सचाई है कि कोविड-19 की वजह से ऑनलाइन शिक्षा ने भारत में रफ्तार पकड़ी है और इसे सफल बनाने के लिए ऑनलाइन लर्निंग मॉड्यूल और डिजिटल ढांचा भी बेहतर हुआ है। बावजूद इसके आज भी ऑनलाइन पढ़ाई में अनेक खामियां मौजूद हैं। इसका लाभ सिर्फ कुछ राज्यों के सीमित बच्चों तक ही पहुंच पा रहा है, जहां बच्चों के पास स्मार्ट मोबाइल फोन के साथ इंटरनेट का ब्रॉडबैंड नेटवर्क मौजूद है। भारत के अधिसंख्य गांवों में तो ब्रॉडबैंड है ही नहीं, अनेक गांवों में बिजली आपूर्ति की स्थिति बहुत संतोषजनक नहीं है। जो विद्यार्थी

### पूरी दुनिया पर पड़ा असर

हालांकि कोरोना महामारी से पहले भी दुनिया भर में शिक्षा की स्थिति बहुत ज्यादा अच्छी नहीं थी। उस समय भी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल जाने योग्य 25.8 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर थे। लेकिन इस महामारी ने शिक्षा पर छाप संकट को और बढ़ा दिया है। अप्रैल 2020 में जब महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के चलते स्कूलों को बंद किया गया था तब उसका असर 94 फीसदी छात्रों पर पड़ा था, जिनकी संख्या करीब 160 करोड़ थी। अनुमान है अभी भी करीब 70 करोड़ बच्चे अपने घरों से ही शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में बच्चे हाइब्रिड और रिमोट लर्निंग के विकल्प के बीच संघर्ष कर रहे थे, जबकि कई शिक्षा से पूरी तरह वंचित थे।

ऑनलाइन शिक्षा ले भी रहे हैं, वे कई बार गंभीरता से कक्षाएं नहीं कर रहे।

ऐसे में सवाल यह है कि बच्चे ऑनलाइन शिक्षा कैसे प्राप्त कर पाएंगे? जाहिर है कि वे बच्चे सिर्फ स्कूल अथवा कॉलेज में ही शिक्षा पा सकते हैं। यह ऑनलाइन शिक्षा ऑफलाइन शिक्षा का मुकाबला नहीं कर सकती। ह्यूमन राइट्स वॉच ने 17 मई 2021 को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि कोविड 19 महामारी से हुए व्यवधान के चलते सरकारों को बच्चों की शिक्षा के नुकसान की भरपाई के लिए अविलंब कदम उठाने चाहिए। उसने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि इसके चलते बच्चों के शिक्षा के अधिकार की असमानता बढ़ी है। ऑनलाइन माध्यम में अत्यधिक निर्भरता और पर्याप्त संसाधनों के अभाव के चलते सभी बच्चों को समान रूप से शिक्षा नहीं मिल पा रही।

movement outside, children hardly get to meet their friends in person. Hence, it is imperative for the parent to understand what their roles and responsibilities are during this period. How can they ensure digital detoxifications of self as well as children?

7. Tailoring Assessment Methods- Assessing and monitoring learning as well as providing feedback are important for understanding school children's progress and taking appropriate pedagogical actions to improve it.

The development of formative assessment and self-assessment instruments facilitates a collaborative process between teachers and students for evaluating their progress towards intended learning outcomes. Many institutions plan to cancel or postpone assessments, or to adopt alternative approaches and methodologies for testing and validating learning.

The current situation is far from ideal in this regard, and we will have to give priority to greater objectives than the regular administration of assessment tools.

8. Enhancement of Digital Knowledge Library—with increased online presence, schools are enhancing their digital library access to improve self-learning by the students.

The resources available on click of a button can range from Recorded Class Session, E-Books, E-newspapers etc.

The current COVID-19 pandemic poses significant challenges for education and social systems that must be addressed in a coordinated manner. It also offers valuable lessons on the real priorities of life as part of a community.

Today, these challenges and lessons offer the prospect of rethinking the purpose of education and its role in sustaining human life.

## Guest Editor of this issue



**Ms. Mrinalini**  
Principal  
Yadu public School  
Ghaziabad



## From the Editor's desk

I am very honored to serve as a guest editor for this Issue of IMS Today. I am sure that this issue would be definitely useful to all the readers. This collection will also offer a window for new perspectives and direction to the readers' mind for long.

*"Thank you to the team IMS Today and comment moderators who work so hard for the newspaper on the frontline of audience engagement."*

The Editorial Committee of IMS Today wishes to acknowledge and thank Ms. Mrinalini who contributed her time to review manuscripts as Guest Editor of this Issue. Without her help, We could not fulfill our mission.

## New Normal Adopted By Schools For Teaching or Assessments During The Pandemic

The coronavirus disease (COVID-19) pandemic has caused an unprecedented crisis in all areas. Specifically in the field of education, this emergency has led to multiple challenges due to closure of educational institutions across the world. Most governments around the world have temporarily closed schools in order to contain the spread of the COVID-19 pandemic. Moreover, looking at various waves of spread experienced in the recent past as well as vaccination for children nowhere in near sight, it can be safely assumed that the virus is here to stay. We need to learn ways to live with it. Challenges are opportunities as well. These few ways evolved and have been established as the new normal for schools towards providing continued learning and assessments.

1. Education services through various distance learning

modalities-few have implemented Internet based forms of learning and some have established offline, distance learning strategies. There are schools who have adopted both online as well as distance learning strategies.

2. Introduction of new age online session technology- Zoom, Google Meet, Microsoft Teams, etc.

3. Providing resources and training-providing devices (laptops or tablets). In addition, to carry out distance learning activities, providing training resources for teachers, especially with regard to tools for the use and management of information and communication technologies (ICTs).

4. curriculum adjustments and prioritization- the contextualization needed to ensure that the contents are relevant to the current emergency situation, based on consensus among all relevant

stakeholders. Equally important, these adjustments must prioritize the competencies and values that have come to the fore in the current situation, namely solidarity, self-directed learning, care for oneself and others, social-emotional skills, health and resilience, among others.

5. Integrate the contents and learning objectives into interdisciplinary thematic clusters that allow various subjects to be addressed at the same time through to pics that are particularly pertinent and relevant for pupils in the current context, using project or research methodologies that allow for a joined-up approach to learning.

6. Counselling Sessions for Parents – Due to lockdowns and widely prevalent Work From Home policies of various organization, suddenly the parents have started spending more time at home with children. Also, with restrictions on

**IMS GHAZIABAD**  
GROUP OF INSTITUTIONS

3 CAMPUSES | 35000+ ALUMNI BASE | 8500+ STUDENTS

IMS ENGINEERING COLLEGE  
NAAC Accredited with 'A' Grade  
Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to AKTU, Lucknow

COLLEGE CODE-143

**Ranked 5<sup>th</sup> in North India**  
By The Times of India  
www.imsec.ac.in

**COURSES**  
B.Tech

- Computer Science & Engineering
- Computer Science
- Computer Science & Design
- Information Technology
- Electronics & Communication Engineering
- Mechanical Engineering
- Biotechnology
- B.Tech (Lateral Entry)

**MBA**

- Marketing
- Finance
- Human Resource
- IB
- IT

**Salient Features**

- NBA Accredited Biotechnology Programme
- NBA in IT and MBA under process
- AKTU approved research centre for Ph.D. in BT
- Placement started in 3rd Year B.Tech
- Excellent Placement Records year after year
- International Internship with University of Louisville, KY, USA & Riktek Solutions LLC, New Jersey, USA
- Advanced Robotics Centre and Centre of Excellence in PLC & SCADA (ABB), Embedded System (Texas Instruments), VLSI (Aajus Technology Pvt. Ltd.)
- PROMOTING MERIT THROUGH SCHOLARSHIP SCHEMES
- AKTU counselling students are also eligible

**Transport Facility Available**

H-09, Adhyatmik Nagar, Ghaziabad | Mobile: 09821396581/82/83 | Landline: 0120-4940000  
Website: www.imsec.ac.in | Email: enquiry@imsec.ac.in | Toll Free: 1800-102-8393

**PGDM**  
ADMISSIONS OPEN

32nd Batch (2021-2023)  
AICTE APPROVED PGDM PROGRAMME  
ACCREDITED BY NBA | EQUIVALENT TO MBA BY AIU

Approved by AICTE | Approved by NBA | MBA Examinations by AIU

**TOTAL SCHOLARSHIP GIVEN WORTH Rs. 2.70 CRORES**

**TOP RECRUITERS**

COLGATE | DELOITTE | BERGER PAINTS | DABUR | PRISM JOHNSON LTD. | S&P GLOBAL | GODREJ & BOYCE | RELIANCE DIGITAL | ADITYA BIRLA GROUP | ITC | MAHINDRA LOGISTICS | WIPRO | SQUARE YARDS | JAGUAR | AMUL | AIRTEL | ADANI WELMAR | AMERICAN EXPRESS | UFLEX | SAINT GOBAIN | KENT | FLIPKART | ZOMATO | JIO | TIMES OF INDIA | WNS | HFFC | UNIQLO | E&Y | CITIBANK | NESTLE | CAPITAL IQ

Lal Qutub, G.T. Road, Ghaziabad - 201009 | Phone: +91-120-4170300 | Fax No.: +91-120-2866034  
Website: www.imsghaziabad.ac.in | Toll Free No. 1800-102-4170 | +91-9667061217 | Email: admissions@imsghaziabad.ac.in

**IMS GHAZIABAD**  
(University Courses Campus)

**2<sup>nd</sup> in Placement All India**  
**3<sup>rd</sup> in North India**  
By Times School Survey - 2021

**COURSES**

**BBA**  
BUSINESS ADMINISTRATION

**BCA**  
BACHELOR OF COMPUTER APPLICATIONS  
5<sup>th</sup> SPECIALIZATION

**BJMC**  
JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION

**B.Sc.(H)**  
BIOTECHNOLOGY | MICROBIOLOGY

**M.Sc.**  
BIOTECHNOLOGY

**MIB**  
MASTERS IN INTERNATIONAL BUSINESS

**Salient Features**

- Free Laptop
- In-Campus Hostel Facility
- Super Specialization for all Courses
- One Month Free International Internship\*
- International and Domestic Placements
- Free Transport Facility

H-09, Adhyatmik Nagar, Ghaziabad | Phones: 0120-4980000 (+30 Lines) | Mobile: 09599814461-65  
Toll Free: 1800-102-1214 | Website: www.imsuc.ac.in | E mail: director@imsuc.ac.in

**WE HAVE NO BRANCH IN NOIDA**



## News Brief

### Celebration of Azadi Ka Amrit Mahotsav



**Ghaziabad:** Normally, BEL, being a deference organization, does not allow any industrial visits for students or outsiders. However, as part of the celebration of Azadi Ka Amrit Mahotsav from 13th - 19th Dec 2021 at all units of BEL, an exhibition was organized at BEL from 13th — 19th Dec 2021 in their Sahibabad factory for schools and colleges. During the visit, showcasing of BEL Products was done at AKAM Exhibition hall. Also, some Videos and Presentations including Factory visits were also organized.

Ghaziabad Management Association took advantage of the situation and nominated students from its member institutes. Accordingly, we nominated 30 students from IPEC on 13th December and 22 students on 15th December. In addition, we nominated 28 students from KIET on 14th December and 23 students from IMS Ghaziabad on 16th December 2021.

## Journalism and Mass Communication Club Opening



**Ghaziabad:** Poetry is the expression of one's self which is done through a rhythmic medium of words explaining in a graceful way the ongoing events happening in the mind of a poet and the beliefs that are bouncing around. As calming as is the recitation of a poetic marvel, the manner of the other's perception is equally stirring.

The Journalism and Mass Communication (JMC) club of IMS Ghaziabad (University Courses Campus), observed its grand opening with a thrilling event, 'Kavya Samraat- a poetry competition' on December 16, 2021 Thursday from 2:00pm onwards in the IMSUC Auditorium. Dr. Ved Prakash Bharadwaj a renowned poet, writer and a senior journalist presided over the affair as the chief guest.

The students witnessed a mesmerizing number of glorious recitals by their fellow mates and were left spell bound by the lot showcasing their commendable write-ups. There were some

moments where the crowd experienced goosebumps over the words spoken by the extremely talented poets of the institution. As if the evening wasn't motivating enough, the audience was further charged ahead by the highly encouraging words of the chief guest Dr. Ved Prakash Bharadwaj and Prof. Anil Kumar Nigam (Chairperson- School of Journalism and Mass Communication).

The event was a success and all the winners were presented with certificates and trophies. The winners of the poetry competition were First Position: Shravan Kumar Second Position: Saanuj Sood Third Position: Chandranshu Tiwari

Fourth Position: Apoorva The session was very well organized and turned out to be a great learning experience for all the creative minds. Students gathered to be informed about the various career opportunities in the same.

# GMA Organized a Presentation Competition

**Ghaziabad:** GMA organized a Presentation competition for its Student members, in collaboration with IMS Ghaziabad University Courses Campus on 18th December 2021. Mr. Dharmendra Singh, President, GMA & Deputy Executive Director, Shri Ram Pistons & Rings Ltd. Ghaziabad, along with Mr. Vinay Kumar, Executive Director, Ghaziabad Management Association, Mr. Rahul Aggarwal and Mr. S K Verma were honored on stage with saplings and memento by Prof. (Dr.) Ajay Kumar, Director, of the Institute. Mr. Dharmendra Singh while inaugurating the event, welcomed everyone on the behalf of GMA and thanked CA (Dr.) Rakesh Chharia for feeding



the thought of STUGMA in 2019. He mentioned the importance of good communication and told the students to use the dais to remove their communication fear. He, at last wished students all the best for their paper presentation. The topics of presentation were:

**1. The influence of social media on Business.**

**2. Impact of Fintech on Retail Banking.**

**3. Crypto-currency: A bright future or just a fad?**

**4. Impact of New Education Policy 2020 on Management Education**

16 teams presented their content according to their turn via wheel of fortune and chit system.



Every team delivered their thoughts with true enthusiasm and full confidence.

The presentation part of the event ended and then the guests Mr. Rahul Agrawal and Mr. S K Verma, the two judges, expressed their views on the event. They congratulated the ones who won and the ones who did

exceptionally well in the presentation.

Mr. Kartik Sharma and Mr. Karan (KIET) were the winners of the event.

Ms. Kamakshi and Ms. Khyati (AKGIM) were the 1st runner up; and Mr. Dhruv Baboota and Mr. Sachin Singh Rawat (IMSUC) were the 2nd runner up.

## GMA Organized a Session on Cyber Security and Data Security Management

**Ghaziabad:** GMA organized a session for GMA members and students of IT domain, AKGEC on Cyber Security and Data Security Management. This was conducted by the IT FORUM of GMA which consists of IT experts from industries on Monday, 27th December 2021.

The expert speakers were: Ms. Anuradha Singh, Program Manager - North America Data Security & Privacy - IBM

Mr. Anoop Kumar, Manager Information Technology, Bharat Electronics Ltd.

The speakers shared and discussed various threats that we face or can be encountered in official or personal data management and various ways we can ensure safety of the same.



In addition, Ms. Singh shared the various employment opportunities for students of IT domain. The topic was of such relevant nature affecting almost everyone sitting in the audience that it invoked a great deal of interest and interactions. The people desired to have discussion in the matter in greater detail and

they were assured of a repeat sort of a program.

This was attended by about 65 students in addition to the Faculty members and some other GMA members who could not attend the session last month. We have received requests to organize sessions on this subject from other member Institutes.

## Bol-News Hybrid Arts Awards Festival

**Ghaziabad:** IMSUC always tends to create an environment of overall department for its students. On 11th of December, 2021 in collaboration with the School of Journalism and Mass Communication, IMSUC proudly hosted the hybrid event of Bol-News Hybrid Arts Awards Festival, an initiative of Bol-News and Popcorn Flicks.

The award function was attended by Mr. Amit R. Agarawal, Founder & COO Popcorn Flicks and Artistic Director BNHAF; Miss Varsha Rajkhowa, Miss Scuba International 2016 India's Only Ocean Ambassador; Miss Manpreet Kaur, Public Relations Consultant, Soft Skill Trainer, Life Coach, NLP Practitioner and anchor; Miss Chelsea Murphy, Actress, Director, Producer based in Hollywood and Miss Priyasha Bhardwaj, Actor in projects like Aarya, Mirzapur and Call My Agent.

The event started with an address by Prof. (Dr.) Ajay Kumar, Director at IMSUC



followed by an address by all the esteemed guests. The students witnessed the screening of Okay Tomorrow-Indian Premiere 8 Minutes single take award winning movie from Hollywood. The screening was followed by

the award ceremony, the Award of Excellence to Miss Varsha Rajkhowa, Award of Merit to Miss Manpreet Kaur, Award of Merit to Miss Chelsea Murphy, and Award of Merit to Priyasha Bhardwaj.

The event came to an end with a vote of thanks delivered by Assistant Professor Sandhya Sharma, School of Journalism and Mass Communication. It was indeed a very influential and knowledgeable session for all the students as they came to know about the stories of all the guests and how they worked hard for what they love and are passionate about.

## School of J & MC Organized Photography Contest Drishti



**Ghaziabad:** The School of Journalism and Mass Communication in association with the photography and documentary club of IMS Ghaziabad UC Campus organized an inter college photography contest Drishti for bringing out the creative minds and seeing the beauty that exists. The event was conducted to polish the photography skills of the participants. A Guest of the day was Mr. Salman Ali a senior photojournalist at Hindustan media venture Ltd. Noida. The contest was organized on the themes such as Nature, Abstract, City life, Indian heritage and Culture. The event started with inauguration of the contest by ribbon cutting by the Chief guest Mr. Salman Ali and Director of the Institute Dr. Ajay Kumar and all faculty members and then visit of Photo Gallery and judgement was done by Mr. Ali and Prof. Girish Kumar Singh. The participation from 28 institutes from different parts of the country including the Northeast region.

A master Class on art of Photography was also organized by SJMC and it was taken by Mr.

Ali during the masterclass students got to learn about different aspects which need to be taken care while clicking a photograph and what actually it needs whether it needs to be different angles, the proper exposure, the light, the frame etc. He also explained how a caption included in a photo can make it more meaningful and can help one to understand the photograph at once. At the end results were announced and the winners were as follows First Prize- Mr. Deependu Rana from IMS GHAZIABAD UC Campus and received a cash prize of 3000 RS, Second Prize- S Sujatha Andhra Mahila sabha arts and science College for women and bagged second position and received a cash prize of 2000 Rs and the third position was bagged by Mr. Rahul Anand IMS Ghaziabad University Courses Campus. Then the gallery kept open for all the people to visit and look at the beautiful photographs all around.

The students learned about the different skills of photography and the minute details that need to be taken care while clicking a photograph.

## Clothes Donation Camp Organized by SSR Club



**Ghaziabad:** SSR Club of IMS University Courses Campus had organized a Clothes Donation Camp from 7th of December, 2021 to 10th of December, 2021 in which we provided 4 boxes on each floor and interested students donated their old clothes which were not used by them. We were delighted that campus got a very good donation by the students.

Following this, on 15th of December, 2021, We collected all the boxes and took them to the nearest slum areas which were Indergrahi and Govindpuram, with all the members of our club and teachers for donating the clothes to the underprivileged people. We got to know that our small gesture can be a boon to someone and we can be the reason for their smiling faces, the

happiness we saw on their face was priceless and we all were happy and blessed to become a part of this camp.

The students happily coordinated with the members and the members did their respective jobs enthusiastically with high spirits along with Mr. Karan, Ms. Richa, Ms. Akanksha followed by our club coordinator Mr. Ashutosh Sharma. We ended this event by capturing the precious moments with our club members and the underprivileged people with smiles on our faces.

Students were able to understand the meaning of small happiness we can give to someone with our small efforts.

Students had a better understanding that "their trash can be someone else's treasure".

# Data Driven Molecular Research from Molecular Diagnosis to Clinical Research- Prof. (Dr.) Shandar Ahmad

**Ghaziabad:** School of Biosciences of IMS, Ghaziabad (University Courses Campus) organized a guest lecture on 22nd December 2021 by Prof. (Dr.) Shandar Ahmad, Research Scientist from School of Computational and Integrative Sciences JNU New Delhi.

Presently Dr. Shandar is a professor and scientist at the School of Computational and Integrative Sciences, Jawaharlal Nehru University, New Delhi. Earlier, he was appointed as research scientist in National Institute of Biomedical Innovation, Health and Nutrition,

Japan. He was also an adjunct Associate professor at Osaka University. He has published more than 100 research articles and has won many awards. He received 4th rank on the list of best bioinformaticians in India. He has made major contributions to the study of protein-DNA interaction using classical as well as deep machine learning methods.

Dr. Shandar talked about his research and described to students how he developed the first neural network based method for predicting DNA-binding sites from sequences and has extended his work to many aspects of transcription factor or dynamics and basic understanding of protein-DNA recognition. In his lecture he imparted the



knowledge of developing data driven algorithms and application for biological data with an integrative perspective.

The guest lecture was followed by a short felicitation ceremony, vote of thanks and with shooting a short video bite. The students and the faculty members were highly obliged to Dr. Shandar for such a wonderful session and were looking forward to such

interesting sessions in the future.

In a nutshell, this session was really informative and very interesting. Students enjoyed a lot and their interest in this session was reflected from the number of questions they asked to Dr. Shandar.

The Chairperson Biosciences Dr. Surabhi Johari and Dr. Umesh Kumar proposed vote of thanks to the distinguished guest.





# सिमरन शर्मा को मिला इंटरनेशनल माउंट एवरेस्ट डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में दूसरा स्थान



**गाजियाबाद।** विजयनगर स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा सिमरन शर्मा ने इंटरनेशनल डांस प्रतियोगिता माउंट एवरेस्ट डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त कर स्कूल व शहर का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि के लिए स्कूल द्वारा सिमरन शर्मा को सम्मानित किया गया। माउंट एवरेस्ट इंटरनेशनल डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन 9 व 10 नवंबर को काठमांडू, नेपाल में किया

चैंपियनशिप में भी दूसरा स्थान प्राप्त किया था। उसी के चलते उनका चयन इंटरनेशनल डांस प्रतियोगिता माउंट एवरेस्ट डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए हुआ था।

सिमरन के माउंट एवरेस्ट डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहने पर स्कूल द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। स्कूल के डायरेक्टर डॉ करुण गौड़ व प्रधानाचार्य अंजू गौड़ ने उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि स्कूल ने कोरोना काल में भी बच्चों को शिक्षा के साथ अन्य एक्टिविटीज में भी सक्रिय रखा है। उसी का परिणाम है कि स्कूल के बच्चे इंटरनेशनल स्तर पर स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं। सिमरन शर्मा ने नेपाल में आयोजित माउंट एवरेस्ट इंटरनेशनल डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन से अपने परिवार, स्कूल का ही नहीं जनपद, प्रदेश व देश का भी नाम रोशन किया है।

## Girls NCC Troupe of Yadu Public School Paid Homage to our Late General Bipin Rawat



**Ghaziabad:** Special assembly was organised and NCC Girls spoke about life ,achivement of General BipinRawat. They also spoke about his contribution to Indian defence organisation

## जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल टॉप स्कूल्स ऑफ इंडिया 2021 रैंकिंग में शामिल



**गाजियाबाद।** विजयनगर स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्कूल को टॉप स्कूल्स ऑफ इंडिया 2021 की रैंकिंग में शामिल किया गया है। दिल्ली में आयोजित समारोह में स्कूल को टॉप स्कूल्स ऑफ इंडिया 2021 की रैंकिंग में शामिल होने पर सम्मानित किया गया।

ईलेट्स ग्रुप वर्ल्ड एजुकेशन, समिट दिल्ली द्वारा 17 दिसंबर, 2021 को आयोजित समारोह में सइलेट्स ग्रुप के फाउंडर एवम सी.ई.ओ. श्री रवि गुप्ता ने डिजिटल लर्निंग के प्रयोग से बच्चों के भावी जीवन में असीम सभावनाओं के विकास हेतु विद्यालय के डायरेक्टर डॉ करुण कुमार गौड़ को सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। इसी के साथ विद्यालय ने देश के उन्नत एवं उत्कृष्ट विद्यालयों की श्रेणी में अपना स्थान बना

लिया। वे शिक्षा में आधुनिक तकनीक का समावेश करने व नए-नए प्रयोग करने के लिए भी सदैव प्रयत्नशील रहते हैं।

टॉप स्कूल का अवार्ड मिलने पर डॉ करुण कुमार गौड़ ने कहा कि स्कूल के शिक्षकों, स्टाफ व छात्र-छात्राओं की मेहनत से ही स्कूल को यह मुकाम हासिल हुआ है। यह तो अभी शुरूआत है और स्कूल शिक्षा ही नहीं खेल व अन्य क्षेत्रों में भी देश ही नहीं विदेश में भी अपनी अलग पहचान बनाने लगा है, जिसके लिए शिक्षा पद्धति में नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। स्कूल की प्रधानाचार्य अंजू गौड़ ने कहा कि यह खुशी की बात है कि शिक्षकों, स्टाफ व छात्र-छात्राओं की मेहनत ने आज स्कूल को देश का टॉप स्कूल बना दिया है। स्कूल बच्चों चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए स्कूल में बच्चों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

## Students of Yadu Public School Participated in National Quiz Competition

**Ghaziabad:**Students of Yadu public school participated in national quiz competition which was conducted by Questt. Students were asked questions about Incredible India. This quiz was celebrated to mark "Azadi Ka Amrit Mahotsav" this year. Namit Bhatia 9 class won first prize



**Anshul Yadav**  
**Suhani**  
**Twinkle**  
**Vaishnavi won prizes in this quiz**

Students learnt about culture history of our country through this quiz. It was great experience

for the them. Principal Mrinalini Singh congratulated all winners and praised all participants

## चेयरमैनस कप 2021-22 में डीपीएसजी गाजियाबाद इंटरनेशनल की टीम विजेता

**गाजियाबाद।** दिल्ली पब्लिक स्कूल गाजियाबाद इंटरनेशनल ने डीपीएसजी सोसाइटी द्वारा आयोजित चेयरमैनस कप 2021-22 में हिस्सा लेकर क्रिकेट मैच प्रतियोगिता में अपना विजय ध्वज फहराया। दस दिन तक चलने वाली इस बहुआयामी खेल प्रतियोगिता में डीपीएसजी सोसाइटी के लगभग आठ स्कूलों ने हिस्सा लिया है, जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल-टेनिस, चेस, योगा, टाईकवॉन्डो आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। चेयरमैनस कप का शुभारंभ सर्वप्रथम क्रिकेट मैच प्रतियोगिता के साथ किया गया, जिसमें डीपीएसजी इंटरनेशनल बनाम डीपीएसजी सुशांत लोक के बीच शानदार मुकाबला हुआ। दोनों टीमों के मध्य चलने वाली इस पारी में डीपीएसजी



इंटरनेशनल विद्यालय ने 120 रनों से अपनी विजय दर्ज करायी तथा विजयी टीम का सम्मान प्राप्त किया। डीपीएसजी सोसाइटी के चेयरमैन ओम पाठक ने बधाई देते हुए छात्रों का प्रोत्साहन किया तथा आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। डीपीएसजी इंटरनेशनल विद्यालय की

प्रधानाचार्या मीरा माथुर ने भी दोनों टीमों के प्रदर्शन को सराहा तथा बताया कि किस प्रकार विद्यालय न सिर्फ शैक्षणिक बल्कि खेल उत्कृष्टता को ध्यान में रखते हुए छात्रों के चहुंमुखी विकास के लिए कार्य कर रहा है तथा आगे भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में अपनी विजय दर्ज करता रहेगा।

## Sudoku

	2	6		3			8
9			6			1	
				1	9		4
		7	3		2		
		4		7		8	
			8		6	7	
	5		7	2			
		9			5		4
4				6		2	1

## सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में जनपदीय बैण्ड प्रतियोगिता 2021-22 का आयोजन

**गाजियाबाद।** विद्यार्थियों में देशप्रेम एवं एकता की भावना का विकास करने हेतु उ०प्र० माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी पत्र के अनुसार सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 2021-22 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गुरु नानक कन्या इंटर कॉलेज, इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल, श्री ठाकुर द्वारा बालिका विद्यालय, डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल की बैण्ड टीमों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में सभी टीमों ने देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत गीतों की धुन पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम शास्त्री अग्रवाल द्वारा आकाश में गुब्बारे उड़ाकर किया गया। जिसमें अपर जिला विद्यालय निरीक्षक ज्योति दीक्षित भी उपस्थित रही। तत्पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ० माला कपूर एवं डायरेक्टर डेवलपमेंट नमन जैन ने सभी प्रतिभागी टीमों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी साथ में श्री आलोक यात्री उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में सभी टीमों के प्रतिभागी छात्रों का अनुशासन, लयबद्ध कदमताल देखते ही बनता था।

आकर्षक वेशभूषा में कतारबद्ध होकर छात्रों ने अपनी धुनों से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। निर्णायक के रूप में स्पिक मैके की को-ऑर्डिनेटर गाजियाबाद, डीआर बंसल, रिटायर्ड चीफ इंजीनियर शिवराज सिंह, थियेटर डायरेक्टर अश्वयवीर नाथ



श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में डीएवी सेंटनरी पब्लिक स्कूल ने एवं बालिका वर्ग में श्री ठाकुर द्वारा बालिका विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल तथा बालिका वर्ग में गुरु नानक

कन्या इंटर कॉलेज रनरअप रहे। प्रतियोगिता में विजय रहे छात्र/छात्राओं को ट्रॉफी एवं योग्यता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

एसडीएम शास्त्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए

मतदाता अधिकार के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि देश के सर्वोच्च भविष्य के लिए आज के युवा विद्यार्थियों का मतदाता अधिकार के प्रति जागरूक होना अति आवश्यक है क्योंकि यही युवा विद्यार्थी देश का भविष्य है। अपर जिला विद्यालय निरीक्षक ज्योति दीक्षित ने अपने सम्बोधन में बताया कि विजेता टीम प्रदेश स्तर पर भाग लेगी और जो राष्ट्रीय स्तर पर विजेता होगी उसको गणतंत्र दिवस की परेड में भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने स्कूल प्रधानाचार्या डॉ० माला कपूर का इस प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। ज्ञात रहे कि प्रतियोगिता के निष्पक्ष संचालन के लिए सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल ने इस प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया।

## Knowledge



## Solve Quiz No. 87

## For Students



Solve the following quiz and reply promptly through email. Names and photos of students who answer correctly will be published in IMS TODAY. IMS Engineering college students can provide reply through personal submission-Editor. Email [imstoday.imsec@gmail.com](mailto:imstoday.imsec@gmail.com)

- Which of the following is NOT correct about an inelastic collision?
  - Linear momentum is conserved
  - Kinetic energy is conserved
  - Total energy is conserved
  - Some or all the forces involved may be non-conservative in nature
- What is the absolute unit of power in C.G.S system?
  - Dyne
  - Erg
  - Watt
  - Erg /s
- What is the measure of the response of the ear to the sound known as?
  - Pitch
  - Intensity
  - Loudness
  - Amplitude
- Which of the following is correct about the properties of Sound waves?
  - Sound waves are longitudinal waves
  - Sound waves are transverse waves
  - Sound waves are both longitudinal and transverse
  - None of the above
- What is the work done to move a unit charge from point to another called as?
  - Current
  - Resistance
  - Conductance
  - Potential Difference
- What is the susceptibility of a diamagnetic material?
  - Positive and small
  - Positive and large
  - Negative
  - None of the above
- Which of the following diodes is mostly commonly used as a voltage regulator?
  - LED
  - Varactor diode
  - Shockley diode
  - Zener diode
- What is the charge of a p-type semiconductor?
  - Positive
  - Negative
  - Neutral
  - None of the above
- Which of these is an acceptor impurity?
  - Phosphorus
  - Arsenic
  - Antimony
  - Indium
- What happens to the resistance of a p-n junction diode when forward biased?
  - It becomes high
  - It becomes low
  - No effect
  - It becomes zero

## Participation format

Quiz No.....  
Name of Student.....  
(also attach your PP size Photo)  
Class.....Year.....  
College Name.....  
Mobile Number.....  
Email.....  
Present Address.....  
Permanent Address.....

**Answers (QUIZ-86) December, 2021 issue:**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
b	c	b	c	b	a	a	b	b	c

Prepared By: Prof. Pradeep Kumar, Assistant Professor (AS&H)



## कोरोना से मुक्ति के लिए सार्थक पहल आवश्यक



कोविड के ओमीक्रॉन वैरिएंट ने तीसरी लहर के रूप में भारत में कोहराम मचाया शुरू कर दिया है। अमेरिका, ब्रिटेन सहित विभिन्न देशों में पहले से ही हालात गंभीर हैं। भारत सहित विश्व में इन लहरों के लिए बहुत कुछ जिम्मेदार यूरोप के वे अमीर देश हैं जिन्होंने अपने देश में बूस्टर डोज लगाने की तैयारी तो कर ली है पर विश्व के गरीब देशों को टीका नहीं दे रहे। यह बात सोलह आने खरी है कि जब तक अफ्रीकी देशों में पूर्ण रूप से टीकाकरण नहीं होगा, कोरोना बार-बार लौटकर हम सभी को बेजार करता रहेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वर्ष के अंत तक हर देश के 40 प्रतिशत आबादी को टीका दिलवाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देशों में से अधे देशों में यह लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया। करीब 40 देशों में तो 10 प्रतिशत लोगों को भी टीका नहीं लगा है। संगठन ने इसके लिए टीकों की जमाखोरी को सबसे बड़ा कारण बताया है और इसके पीछे विशेष रूप से मुद्दी भर पश्चिमी देशों को जिम्मेदार ठहराया है जो अपने यहां के लोगों को अभी से बूस्टर टीके भी दे रहे हैं।

अभी तक दुनिया भर में टीकों की 8.6 अरब से भी ज्यादा खुराकें दी जा चुकी हैं। लेकिन इनमें से अधिसंख्य उच्च आय वाले देशों में दी गई हैं। इन देशों के पास इतने संसाधन थे कि उन्होंने टीके बनाने वाली कंपनियों के साथ खुद ही करार कर लिए। दिसंबर, 2021 के आखिरी अंतिम सप्ताह तक कोवैक्स ने 72 करोड़ खुराकें इन देशों में पहुंचा दी थीं। लेकिन बाकी डाटा एक बेहद बुरी तस्वीर पेश करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक जहां जर्मनी में हर 100 लोगों पर करीब 171 खुराके दी गई हैं, मैडागास्कर में यह अनुपात 2.7 से भी नीचे है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कोंगो में तो यह अनुपात 0.32 है, अधिकांश अफ्रीकी देशों में यह आंकड़ा दो अंकों के शुरूआती स्तर तक है। इसी नहीं, इस्राएल में टीके की चौथी खुराक लगाने की तैयारी हो रही है। दवा कंपनियों के संगठन आईएफपीएमए के अनुमान के मुताबिक सिर्फ दिसंबर माह में ही टीकों की करीब 1.4 अरब खुराकों का उत्पादन हुआ। संगठन का कहना है कि कई देशों में टीकों को लेकर काफी ज्यादा संदेह है और कई जगह टीकों के वितरण में भी समस्या है। इस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि अगर देशों को खुराकें समय से और सुनियोजित ढंग से मिलें तो वे तैयार रहेंगे। कई अमीर देशों ने मिल कर एक अरब से भी ज्यादा खुराकें दान करने का वादा किया हुआ है। लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन कहता है कि इन खुराकों को जरूरतमंदों तक पहुंचने में बहुत समय लगा जाता है। कुछ ड्रैजैक्शनो की तो पहुंचते पहुंचते एक्सपायरी लिथि बस कुछ ही हफ्तों दूर रह जाती है, जिसकी वजह से गरीब देशों में वितरण और ज्यादा पेचीदा हो जाता है। गौरतलब है कि दुनिया भर में जानकारी में आए ओमिक्रोन के लगभग 62 प्रतिशत मामले अकेले बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका में हैं। यह जानकारी कांगो की राजधानी ब्रेजविले स्थित डब्ल्यूएचओ (WHO) के क्षेत्रीय कार्यालय ने दी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि ओमिक्रोन वैरिएंट का कई और देशों में पता चलने की आशंका है। बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रोन की जल्द पहचान होने से विश्व को हालात से निपटने का पर्याप्त समय मिल गया है। हमारे पास अवसरों की खिड़की है। हमें इस वैरिएंट से निपटने के लिए तेजी के साथ रोकथाम के उपाय करने चाहिए। डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक मतशीदिसो मोएती ने अफ्रीकी देशों से कोरोना के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने के लिए उपाय तेज करने का आग्रह किया है। सवाल यह है कि आखिरकार विश्व समुदाय के अमीर देशों को किस समय का इंतजार है। वे सभी मिलकर भारत के मूल सांस्कृतिक मंत्र वसुधैव कुटुंबकम को ध्यान में रखते हुए अफ्रीका सहित सभी गरीब देशों को समय से वैक्सीन की डोज उपलब्ध कराएं ताकि संपूर्ण विश्व को कोरोना वैश्विक महामारी से उबार जा सके।

## भारत के आंदोलनों में मीडिया की अहम भूमिका

मीडिया से यह अपेक्षा की जाती है कि वह समाज में एक दिशा निर्देशक की भूमिका निभाएगा। भारत के स्वतंत्र होने के पूर्व से प्रेस यानि मीडिया पर लोगों का अटूट विश्वास रहा है। इसी विश्वसनीयता के चलते ही मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। यद्यपि भारतीय संविधान में मीडिया को चौथे स्तम्भ का दर्जा नहीं दिया गया है लेकिन समाज में अपनी भूमिका के चलते उसने यह स्थान हासिल किया है। वस्तुतः भारत के स्वाधीनता आंदोलनों से लेकर विभिन्न आंदोलनों में मीडिया की अहम भूमिका रही है। लेकिन हिंदी भाषा के खिलाफ आंदोलन, आपातकाल विरोधी आंदोलन और हाल ही में संपन्न हुए किसान आंदोलन में उसकी भूमिका सवालों के घेरे में भी रही है।

निस्संदेह, स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मीडिया की प्रखर भूमिका रही है। विभिन्न समाचार-पत्र और पत्रिकाओं ने जनता को आंदोलन के लिए तैयार किया। इसीलिए स्वतंत्रता आंदोलन जन आंदोलन बन सका। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का प्रारंभ वर्ष 1857 की क्रांति से माना जाता है। इसी राष्ट्रीय क्रांति ने इस आंदोलन को संबल प्रदान किया और यह आंदोलन देश के स्वतंत्र होने यानि वर्ष 1947 तक अनवरत चलता रहा। आंदोलनकारी अजीमुल्ला खान ने 8 फरवरी 1857 को दिल्ली से 'पयामे आजादी' नामक समाचार-पत्र प्रकाशित किया। इस समाचार-पत्र ने अपनी प्रखर वाणी से आंदोलनकारियों में उत्साह और उमंग भरकर राष्ट्रीय चेतना का संचार कर दिया। इस समाचार-पत्र के आक्रामक तेवर से ब्रिटिश सरकार चबरा गई और इस पत्र को बंद कराने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी।

भारत की महान विभूतियों भारतेन्दु बाबू हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट, प्रताप नारायण मिश्र, महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, डॉ.



प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार निगम

एक बड़ा जन-आंदोलन चलाया था। उनको पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के विरुद्ध विपक्ष का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता है। इस आंदोलन की शुरूआत एक छात्र आंदोलन के रूप में हुई थी, जिसे बाद में संपूर्ण क्रांति के आंदोलन के रूप में जाना गया। यह इंदिरा गांधी की भ्रष्ट एवं निरंकुश सरकार को पदच्युत करने का आंदोलन था। हालांकि बाद में इसके प्रतिकार स्वरूप देश को आपातकाल का सामना भी करना पड़ा। जेपी स्वतंत्रता आंदोलन के एक बड़े नेता थे और उन्हें आंदोलनकर सत्तासिन्हा होने का कोई लालच नहीं था। संभवतः इसीलिए उस समय मीडिया के एक बड़े हिस्से का सहयोग उनके आंदोलन के कवरेज में सकारात्मक रहा था। लेकिन 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू होने के बाद मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। इसलिए मीडिया की भूमिका बहुत सीमित हो गई और आवाज उठाने वाले मीडिया घरानों का गला घोट दिया गया। देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ और लोकपाल कानून की मांग को वर्ष 2011 में शुरू किए गए अन्ना हजारे आंदोलन में मीडिया की काफी सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका रही। हालांकि 1974 और 2011 के बीच दो मामलों में स्थिति काफी भिन्न रही। तब भ्रष्टाचार ने इतना भीषण रूप ग्रहण नहीं किया था। दूसरा, उस समय मीडिया न इतना ज्यादा सशक्त था और न ही उसका अधिक विस्तार था। मोबाइल और इंटरनेट की क्रांति नहीं



हुई थी और न ही निजी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का नामो-निशान था। यही कारण है कि मीडिया में जेपी की तुलना में टीम अन्ना को ज्यादा तवज्जो मिली।

उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में हिंदी भाषा के विरोध में वर्ष 1937 से ही है, जब चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की सरकार ने मद्रास प्रांत में हिंदी को लाने का समर्थन किया था पर द्रविड़ कण्ठम ( डीके ) ने इसका विरोध किया। इस विरोध ने हिंसक झड़पों का स्वरूप ले लिया था और इसमें दो मौतें हुई थीं। वर्ष 1965 में दूसरी बार जब हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने का प्रयास किया तो एक बार फिर से गैर हिंदी भाषी राज्यों ने इसके खिलाफ विरोध आंदोलन किया। इस आंदोलन में भी मीडिया की भूमिका नकारात्मक रही थी।

तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किए गए किसान आंदोलन में सोशल मीडिया और विदेशी मीडिया की भूमिका सवालों के घेरे पर रही। सोशल मीडिया ने जहां

कई बार अफवाह फैलाने का काम किया, वहीं विदेशी मीडिया ने भारत की छवि को दागदार बनाने की कोशिश की। हालांकि भारतीय मीडिया के प्रिंट और कुछ इलेक्ट्रॉनिक चैनलों ने एक जिम्मेदार स्तंभ की भूमिका निभाने की कोशिश तो की लेकिन चुनिंदा टीवी न्यूज चैनलों ने एक पक्षीय खबरों का प्रसारण कर भारतीय लोकतंत्र को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास भी किया। अंततः में यह कहना चाहेंगा कि लोगों की विश्वसनीयता के चलते ही मीडिया को लोकतंत्र का रक्षक माना जाता है। लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ होने के चलते उसकी समाज और राष्ट्र निर्माण में अत्यंत अहम भूमिका है। मीडिया से यह अपेक्षा की जाती है कि वह समाज में घटित होने वाले अन्याय, आंदोलन अथवा किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ निष्पक्षता के साथ अपनी आवाज बुलंद करे ताकि उसकी विश्वसनीयता और शुचितता पर सवालिया निशान न लगे।



## New Economic Foundation Era: Blockchain

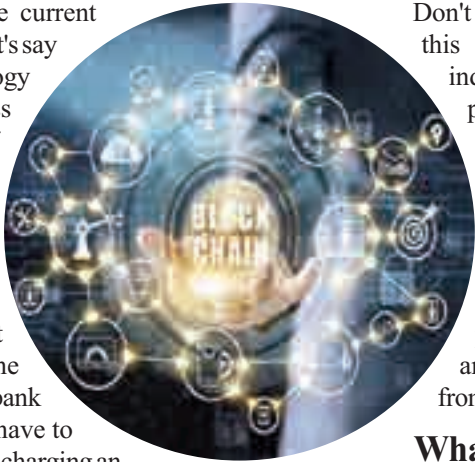
Today's digital age is moving towards creating a new economic base by implementing blockchain technology. Blockchain is cutting edge which is changing a lot of things by changing the traditional way of working style by implementing new methods. We have three questions in mind:

### Why is it so popular?

There are some issues with the current working technology. For example, let's say the Internet, it's an amazing technology that has changed the way business works, created different types of business domains, and think about Facebook, Google, and Amazon etc. The Internet was made open for all but now it is controlled by some companies which we (central power) don't want and it is good now but what about the future. When we do online transactions with someone else for a bank transaction the bank says first you have to link on my behalf, it is ok but they are charging an amount for each transaction this is one of the concerns. Second concern: when we want to do an international transaction it takes a few hours and days. That's why we want the fastest transactions, so blockchain (decentralized



Dr. Ravi Sharma



applications) came into the picture, with no one in the middle. Decentralized applications create trust issues when transacting between them. Blockchain provides all the security features with the help of cryptography models such as trust, transparency and immutable transaction ledger.

### Who can get this technology?

Don't we need technical background for this as Blockchain is very new in industries? We need some technical person who can create a blockchain application. We also need people who can act as consultants and experts, consultants have a business-oriented mindset (they have business sense ideas and can be implemented) and experts are people who Are more towards architect they can design everything from start to end

### What are their prerequisites?

It is not necessary if you do not have any technical knowledge. When you have some basic knowledge of cryptography and distributed computing it will help to learn this technology at a very fast pace.

## Your World Change with Your Positivity

### Be positive. Be true. Be kind. - Roy T. Bennett

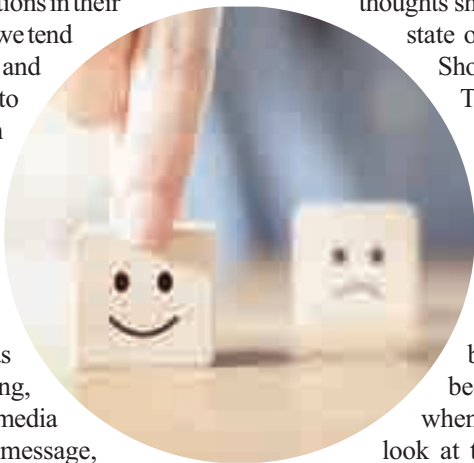
When you are happy inside you are happy outside. Positive minds generate positive results and boost up confidence. Many times we feel that things are not going according to our wish and this feeling pushes our mind to be in a negative direction. As a result, we see the negativity all around and are not able to change our perspective.

Negative emotions stop us from thinking and behaving rationally and seeing situations in their true perspective. When this occurs, we tend to see only what we want to see and remember only what we want to remember. This only persists with anger or grief and stops us from enjoying life. Every time a negative thought crawls into your mind, replace it with a positive thought.

For transforming our life from negativity to positivity what we need to do? The answer to this question is as and when you get up in the morning, keep yourself away from any social media because as you start reading the message, might be some wonderful or awful, your vibration will start changing. So at least for one hour keep yourself away



Dr. Meenu Baliyan



and just say to yourself that all is fine with your surroundings. Why? Because what we watch, read and listen creates our emotional health, creates our thoughts and these thoughts become our reality.

Therefore, we need to be careful about what we read, listen and watch. So far, the first one hour in the morning we should avoid information about the outer world. We saw that the first few thoughts should be of gratitude. Next, we will state our affirmations or pure thoughts.

Show the words that go inside the mind.

That is why we need to convey to ourselves that we can achieve whatever we want. These few lines will change the energy and you will feel confident. Make daily affirmations to yourself. Which means the first layer of information every morning should be high energy words. Because we become what we consume. As and when you change your perspective to look at the world at the same time your vibration will also change and automatically you start attracting the positive vibes.

## जातियों का निर्धारण कर्म आधारित हो

भारत देश में जाति एक सच्चाई है और यह एक समस्या भी है यह भी एक सच्चाई है परंतु सच का सामना तो किया जा सकता है और समस्या का समाधान भी हो सकता है परंतु उसके लिए हमारी सत्यता पूर्ण यानी ईमानदारीना कोशिश या प्रयत्न भी आवश्यक हैं। परंतु हमारे देश में बस इसी कोशिश का अभाव देखने को मिलता है क्योंकि न तो उसके प्रति राजनीतिक नेताओं में या जातीय समाज में ही इस समस्या के समाधान के प्रति कोई निष्ठा है और न ही प्रयत्न है। इसी कारण जाति की समस्या जस की तस है। वर्षों के बाद भी जैसी थी वैसी ही है।

कुछ जातियों के लोग अपनी जाति पर गर्व करते हैं तो कुछ जातियों के लोग इसे हर प्रकार के लाभ के लिए उपयोग और उपयोग करना अपना अधिकार मान कर चलते हैं। परंतु जातीय गर्व तो अब लगभग समाप्त प्राय है, परंतु जातीय लाभ की कोई समय सीमा दूर तक भी दिखाई नहीं देती है और न ही कोई संभावना ही प्रतीत होती है। यह दिनों दिन अपना विस्तार करने में लगी है यहां जातियों का इतिहास तो विवेच्य नहीं है, परंतु इस परंपरा पर विचार करना आवश्यक है। विश्व में मानव जाति के प्रथम संविधान मनुस्मृति की कर्माधारित वर्ण व्यवस्था की स्थापना के हजारों वर्ष

बाद जातियां अस्तित्व में आईं। पर अस्तित्व में आने के बाद वह बढ़ती गई। परे कम नहीं हो पाई, अपितु उन में निरंतर विकृति भी बढ़ती गई और विकृतियां बढ़ते बढ़ते जातीय संघर्ष के भयावह रूप तक बढ़ती गई। इन विकृतियों की बढ़ोतरी में सर्वाधिक योगदान स्वार्थी राजनीति और राजनेताओं का ही रहा कुरीतियों को सुधारने का क्रम तो समाज में शैने:2 चलता रहता है। पर उससे दोगुनी गति से राजनीति विकृतियां पैदा करने से बाज नहीं आते है।



डॉ. वेद व्यथित

यहां गुण कर्म आधारित वर्ण व्यवस्था समाज उपयोगी वे वैज्ञानिक थी परंतु उसके विरुद्ध निरंतर षड्यंत्रों ने उसकी वैज्ञानिकता को समाप्त तो किया ही अपितु उसके स्थान पर कोई मानव उपयोगी व्यवस्था देने में भी असमर्थ रहा। नई नई जातियां बनने का क्रम लगातार चलता रहा, यह दृष्टा नही। यहां कर्म आधारित जातीय व्यवस्था जब अस्तित्व में आने लगी तो वर्षों बाद भी कर्म आधारित तो नहीं वह धीरे-धीरे जन्म आधारित जाति को जब स्वीकार कर कियो जाने लगा तो यही विवाद और विकृति का कारण बनता रहा। हालांकि चातुर्वर्ण व्यवस्था का बीज या केंद्र बिंदु आज भी समाज में उपस्थित प्रतीत

होरहा है। बेशक आज वह अपने नए नए कर्म सिद्धांत पर आधारित है। फिर भी कर्म उसे विगत द्वारा आरोपित विमत के षड्यंत्रों के कारण स्वीकार करने में हिचकते हैं। यथा आज मानव जाति के विज्ञान आधारित नए-नए पेशों का सृजन हुआ है जैसे डॉक्टर या चिकित्सीय कर्म या पेशा या वर्ग या ऐसे ही इंजीनियरिंग वर्ग ,नौकरीपेशा वर्ग, व्यवसायी वर्ग आदि आदि नए-नए वर्ग बन रहे हैं इसी तरह ही जैसे गोत्र की व्यवस्था थी जिस गुरुकुल या आश्रम में शिक्षार्थी शिक्षा ग्रहण करते थे। वे उन आचार्यों के नाम का उपयोग अपनी पहचान बनाने के लिए प्रयोग करते थे यानी जो वशिष्ठ आश्रम में से शिक्षित हुए वह वशिष्ठ गोत्र का उपयोग अपनी शिक्षा यानी डिग्री के लिए करने लगे यानी वह उसे यूनिवर्सिटी के छात्र हो गए। उसमें विभिन्न कर्म करने वाले सभी कार्य वर्ग के लोग सम्मिलित थे पर उन्हें एक ही यूनिवर्सिटी का छात्र कहा जाता था जैसे वशिष्ठ गोत्र या कश्यप गोत्र या कहे की यह आश्रम आज की आधुनिक यूनिवर्सिटी थी। और जिस प्रकार आज एल्यूमिनी संगठन बने हैं यानी जो एक यूनिवर्सिटी के पढ़े हुए छात्र हैं। उन्होंने एक संगठन बनाया और अपनी

एक अलग पहचान बनाई। ऐसे ही गोत्र व्यवस्था थी। पर आज इन नए पेशों में ही नई पीढ़ी विवाह आदि करने को प्राथमिकता दे रही है जैसे एक डॉक्टर लड़का लड़की डॉक्टर के पैसे में कार्यरत से ही शादी को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसी प्रकार अन्य व्यवसायी वर्ग भी अपने वर्ग में इंजीनियर इंजीनियरिंग से शादी करने को प्राथमिकता दे रहा है और ऊपर से लेकर नीचे भीख मांगे के व्यवसाय के व्यवसाय भी अपने ही अपने ही व्यवसाय को प्राथमिकता दे रहा है।

परन्तु विचारणीये विचारे यह है कि समय अनुकूल हम इन्हें जातियों के रूप में स्वीकार करने में क्यों संकोच कर रहे हैं क्योंकि पूर्व में भी तो जातियों का सर्जन कर्म आधारित ही तो था तो फिर अब क्यों नहीं हो सकता जबकि आज में प्राचीन काम अस्तित्व में भी नहीं है या दूसरी जातियों के लोग भी सभी तरह के व्यवसायियों को अपना रहे हैं जैसे सफाई आदि के पेशे में आज सभी जातियों के लोग कार्यरत हैं तो क्या वे कर्म आधारित आधारित जाति के लाभ प्राप्त करने के हकदार नहीं हैं। सनवैधानिक रूप से तो वे हकदार नहीं हैं पर वे कर्म सिद्धांत से हकदार हैं और जो उस व्यवसाय में नहीं हैं वे उस के हकदार कैसे हो गए यह प्रश्न आज समाज की ओर से राजनीति से, संविधान से भी



और न्याय व्यवस्था से भी किया जाना चाहिए परंतु निहित स्वार्थों के कारण आज संविधान द्वारा हो देश के नागरिकों से अत्यधिक क्रूर भेदभाव दिकयानूसी रूप से कानूनी रूप से हो रहा है। क्या इसका कोई उत्तर आपके पास है प्रतिभा के साथ अन्याय उसके साथ कूरता नहीं तो और क्या है और वह भी संवैधानिक कूरता के रूप में स्थापित है। क्या इसे

राजनीतिक नेता विधायिका या न्यायपालिका बदलेगी? लगता है नहीं बदलेगी। परंतु जन आंदोलन के सामने राज्य व सत्ता दोनों ही अक्षम है। राज्य की वास्तविक सत्ता जनता में निहित है यदि आप सच में लोकतंत्र के समर्थक हैं तो क्या जनता को इसके लिए प्रयत्नशील नहीं होना चाहिए और क्या उसका सम्मान नहीं किया जाना चाहिए।



## News Brief

## A Webinar Organized on “MicroRNA and Alzheimer’s Disease”



**Ghaziabad:** Biotechnology Department of IMS Engineering College, Ghaziabad organized a live webinar entitled “MicroRNA and Alzheimer’s Disease” on 14th December 2021. The speaker was Dr. Subodh Kumar, Assistant Professor, Texas Tech University, Lubbock, USA. Dr. Kumar discussed how some of the microRNA discovered by his research group can increase the risk of Alzheimer disease and other neurodegenerative disorders. Also, he discussed how this can help in treatment of the disease in the future.

## MBA Dept. Organized A Poster Competition

**Ghaziabad:** Department of MBA, IMS engineering college, Ghaziabad organised “Poster Making Competition” on 27/11/2021. Students of MBA I and II year participated in the event enthusiastically. They beautifully represented social issues through their creativity. Tanya Mishra & Priya Gautam of MBA 1st Sem stood first while Anjali Srivastava & Ayushi Tyagi secured second position in the event.

## A Special Talk on “Innovation &amp; Advancements in Network Securities”



**Ghaziabad:** Department of Computer Science & Engineering, and Department of Information Technology organized special talk on Innovation & Advancements in Network Securities on 15th December 2021. The invited speaker Mr. Yogendra Talwar, Scientist-F, National Informatics Centre (NIC), Delhi delivered his talk which was open for all the second-year students of CS, CSE, IT & ECE Departments. Around 300 students attended the talk. Mr Talwar explained each and every aspect of network, network security, and data security. He also explained the core features of data handling i.e. Confidentiality, Integrity, and Availability (CIA). While discussing security features he explained Security Framework & Security Lifecycle. He also explained the features of Firewall, Logging, Virtual Firewall. More importantly he explained the concept & working of SaaS (Security as a Service), Unified Threat Management (UTM) and Security Information and Event Management (SIEM).

## Python Programming Quiz Organized by CSE Dept.

**Ghaziabad:** Department of Computer Science & Engineering, IMS Engineering College, Ghaziabad organized a python programming quiz competition on 12, Dec, 2021 under the supervision of Anjali Patel (Assistant Professor, CS) to enhance python programming skills of students. The Quiz consists of 3 questions based on python programming basics. The 10 students have participated from different branches and top students were selected as a winner and distributed certificates to all.

## Department of IT Received Accreditation from National Board of Accreditation (NBA).



**Ghaziabad:** NBA is one of the major bodies which is responsible for accreditation of higher education institutions in India. It ensures institute mission and objectives, infrastructure facilities, quality of teaching and learning & curriculum design. It also focuses on the bright future of existing students while verifying the process of Placement activity. We are happy to share that we have passed all set benchmarks by the NBA and got accreditation for 3 years for, B.Tech in Information Technology Congratulations to all IMSEC family.

## Student Achievement

**Ghaziabad:** Students of MBA first year participated in an inter college management fest, Spardha, organised by Jaipuria Institute of Management, Indirapuram. They enthusiastically participated in events like Advert, Role Play and Treasure Hunt.



## “Fiesta Fresher’s Party 2K21” Organized by IMSEC

**Ghaziabad:** Undoubtedly, Fresher’s Party is the most happening and awaited event after the Orientation Programme of any academic institution. “IMS Engineering College- Ghaziabad” organized it’s “Fiesta Fresher’s Party 2K21 on 11th December 2021. It is a day meant to pave a path for creating a “being human” bond between the IInd year students of B.Tech & MBA and the newly admitted students of the current academic session. Basically, a cradle where healthy relationships are being made for an exhilarating journey, triggered off for the entire life.

An event of such a stature is rarely seen. There was a lot of enthusiasm and encouragement in the air of IMSEC-GZB campus. The ambience was intoxicated by the “sure success” and “academic” aroma. The students seemed promising and



devoted towards their career. The event was inaugurated with the normal course of lighting of lamp, paying homage to Almighty and honouring guests by mementoes and floral tributes.

A series of cultural shows mesmerized all, consisting of singing, dancing and qawwali. Reciting Poetry is an art that has been proved by the distinguished participants. Stand-up Comedy had really stolen away the show

as a show stopper.

From B.Tech. Varun Verma and Vanshika Sharma were declared Mr. & Miss. Fresher. from MBA, the designated crown of Mr. & Miss. MBA went to Mr. Aniket Asthana and Miss. Siddhi Gaur. Mr. & Miss. Talents were bagged by Shivang Rastogi and Bhumika Kaushik. The honours of Mr. & Miss. Sophomore were taken by Kshitij Singh and Nidhi Sharma. Last but not the least,



Director of the institute Dr. Prabal Chakraborty had bestowed his blessings and praised all staff and faculty members for doing a remarkable job.

He also appreciated students for their prompt coordination, active participation in cultural programmes and well synchronized leadership and managerial skills among themselves, which made the entire event so successful. He

further added that there is an under current of “Trust” prevailing that propels motivation and enthusiasm to the next higher level and blessed students for a brighter seamless career ahead.

The fraternity of academic and non academic staff members and students solicited the august occasion whole heartedly. Lastly, the students had their group photographs.

## A Talk on “Thriving on Career Opportunities Blockchain Transformation”

**Ghaziabad:** A talk on “Thriving on Career Opportunities arising from Blockchain Transformation” organized by Department of MBA, IMSEC, Ghaziabad An online Guest Lecture was organized by the MBA Department on 14th December 2021. The speaker was Udayan Ray Founder, Fundoo Money Media and Digital Edupreneur and Financial Education Evangelist. The topic of the lecture was “Thriving on Career Opportunities arising from Blockchain Transformation”. He explained the concept of Distributed Ledger Technology, which forms the core of Blockchain Technology, which enables secured, transparent and

linked transactions. He described the uses of Blockchain technology in Trade Finance i.e., Single document, instant reconciliation and elimination of errors.

He said that lending was an area where the use of blockchain technology had immense potential. It helps in speeding up the process of processing access to real time financial data and also loan approval and disbursement.

He also said that Blockchain technology could be used for enhancing the value of loyalty programmes and thereby creating greater customer value. Finally, he said that Blockchain technology would also revolutionise the payments process making them easier, cheaper and quicker.

## Comprehensive Faculty Orientation Programme

**Ghaziabad:** IMS Ghaziabad organized a comprehensive “Faculty Orientation Programme” on the theme “Academic Excellence through Pedagogical Innovations” on December 10, 2021. The highly relevant session was yet another brainchild of the visionary guidance of Shri. Naresh Agarwal, Chairman; Shri. Nitin Agarwal, Management Trustee and the academic acumen of Dr. Urvashi Makkar, Director, IMS Ghaziabad for nurturing the intellectual assets of the institute. In her Inaugural Address, Dr. Urvashi Makkar shared the vision of the institute and her expectations from the faculty members to achieve academic excellence. She also accentuated the utmost responsibility of an educational institute to continuously transform its



teaching- learning practices and stimulate innovation in order to raise the academic performance index. Program Chairperson, Dr. Radhika Malhotra explained the academic system and policies while Dean Students Affairs, Dr. Ajay Kumar Patel provided extensive details on the numerous student centric activities undertaken at the institute. The Controller of Examinations, Dr. Vaishali Agarwal illuminated on the examination and evaluation process in detail. This was followed by an open house forum which witnessed rigorous

brainstorming on critical aspects of innovative pedagogy, placements, skill enhancement programs, research and other relevant domains. The session concluded on an upbeat and enthusiastic note with the felicitation of the faculty team for their commendable contribution in various initiatives of the institute. Coordinated by Ms. Varsha Sharma and Dr. Divya Pant, the orientation programme was instrumental in gearing up the faculty to kick start the upcoming academic session with a renewed rigor and zeal.

## Expert Insights by Director, IMS in AICTE-ISTE Sponsored Induction/Refresher Programme

**Ghaziabad:** Adding to the rich deliberations, Director, Dr. Urvashi Makkar, contributed as Expert Resource Speaker in the Day II Session of the prestigious AICTE-ISTE Sponsored 6 Days Online Induction/Refresher Programme on “Social Media Marketing” organized by IMS Ghaziabad from December 13-18, 2021. The programme witnessed the esteemed presence of Keynote Speaker, Dr. Shweta Srivastava, Head Digital Marketing, Dr. Reddy Laboratories; Distinguished Guests, Dr. P.K. Desai, President, ISTE; Prof. Vijay D. Vaidya, Executive Secretary, ISTE; Expert Resource Speakers, Mr. Shubham Tyagi, Director, Foracres; Ms. Madhura Mukherjee, Training Manager, Genpact and many more



luminaries from industry and academia. Sharing her insights, Dr. Urvashi highlighted the burning agendas of ensuring inclusive and equitable quality education as well as promoting life long learning opportunities for all strata of society by the year 2030. She appealed to the delegates to undertake quality research for the tripartite growth of individuals, society and nation.

Coordinated by Dr. Surabhi Singh, the interactive session contributed immensely in enhancing the understanding of the delegates on the intricate details of the National Education Policy 2020 and inspired them to collectively work together to transform the higher education scenario in the country thus bringing glory and galore to the nation.

## A Guest Lecture Organized on “International Business, Opportunities and Challenges”

**Ghaziabad:** The MBA Department at IMS Engineering College organized a Guest Lecture on the topic “International Business, Opportunities and Challenges” by Mr. Rajan Vaish, founder of ATL, Delhi on 27/11/2021. Mr. Rajan Vaish has a degree in Engineering and Management and is the founder of an International Logistics company i.e., ATL. He has considerable experience in the field of export-import management, logistics and customs.

Dean Dr. Monica Verma delivered the welcome address and invited Mr. Rajan Vaish to deliver his lecture. Students of MBA I and II year attended the

lecture. Mr. Vaish began his lecture by discussing the basic types of international business. He spoke about the forms of international investments i.e., FDI and FPI. He then went on to elaborate on the export of services and types of exports and modes of shipment. He also explained the entire process of international trade and flow of goods, documents and payments, with the help of a flow chart. In the end he explained the methods and risks associated with various forms of international payments. He augmented his lecture with interesting anecdotes and examples. HOD, MBA Dr. Meenu Balian delivered the vote of thanks.

## Alumni Meet 2K21 Organized by Alumni Committee

**Ghaziabad:** IMS Engineering College Ghaziabad celebrated the much awaited home coming of its alumni on 25th December 2021. Alumni Meet 2K21, “Homecoming... Connected Forever” was attended by almost 100 alumni from batches 2007 to 2020, faculty members and final year students of MBA and B.Tech. Alumni were excited, happy and at the same time nostalgic meeting their faculty members and friends. They also visited their classrooms and hostels to relive their old memories.

The program started with the floral tributes to Goddess Saraswati by Dean Academics, Dr. S N Rajan, Heads of the Departments, and senior alumni



followed by the welcome address by Head Alumni Committee, Dr. Monica Verma. On behalf of IMSEC, she welcomed all the alumni and emphasized on the significance of strong bond between the Alma Mater and its Alumni. She apprised the alumni about the new initiative of IMSEC, a brainchild of Prof. Prabal K Chakravorty,

Director IMSEC, i.e., College Social Responsibility. She requested all the alumni to be the Ambassadors of this initiative by creating awareness about various career options available among the students of class 11th and 12th presently studying in their schools and be their mentors. And in this social cause, IMSEC will be their partner. She also

announced the registration of Alumni Society of IMSEC and requested for alumni volunteers to take over the responsibility of Alumni Society. Prof. Prabal K Chakravorty, Director IMSEC congratulated the seven alumni who volunteered to take over the responsibility of IMSEC Alumni Association. He further congratulated each and every alumnus on their achievements and emphasized on the importance of marks along with the passion to follow one's dreams in order to become successful in life. The cultural extravaganza started with much fanfare with mesmerizing song and dance performances by final year students of B.Tech. and MBA. The event became more exciting

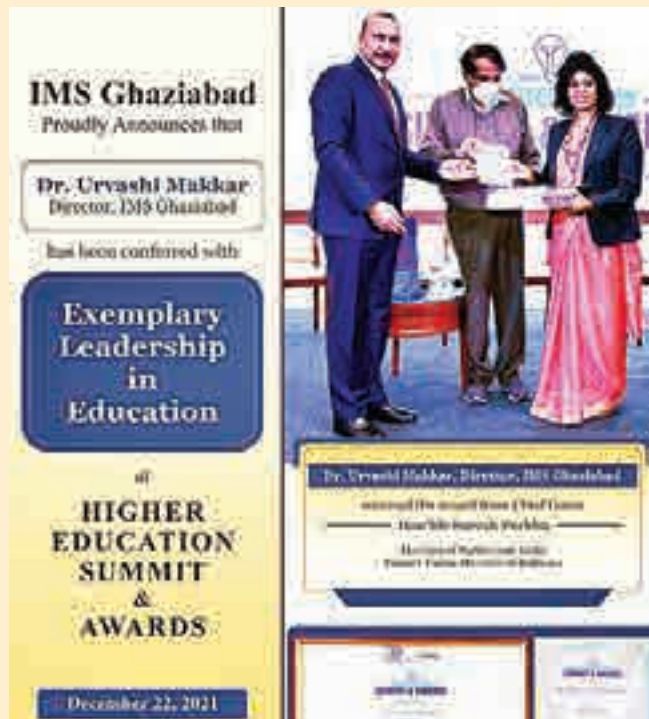
when alumni were asked interesting questions related to their Alma Mater and they answered and shared interesting and funny stories about their student life at IMSEC. Some fun games with alumni made the whole program even more enjoyable and filled the air with laughter and joy.

The event ended with the distribution of gifts to the alumni – a token of love and affection of their Alma Mater followed by a sumptuous lunch. The hard work of all the alumni committee members made the event successful and a memorable one. All the alumni created new memories of their Alma Mater to relish and cherish in the years to come.



## News Brief

### Exemplary Leadership in Education Award to Director, IMS Lal Quan



**Ghaziabad:** Dr. Urvashi Makkar, Director, IMS Ghaziabad, has been conferred with yet another prestigious Award for “Exemplary Leadership in Education” during “Higher Education Summit & Awards” held on December 22, 2021 at Hotel Shangri La, New Delhi. Dr. Urvashi received the award in the august presence of Chief Guest, Shri Suresh Prabhu, Former Cabinet Minister; Guest of Honor, Shri Navin Mittal, Commissioner, Higher Education, Government of Telangana along with over 350 luminaries from government, industry and academia. She also addressed the summit as an Expert Panelist on the theme “Experiential Learning: Widening the Scope or Creating Roadblocks for Digital Education”. Her rich perspectives added valued substance to the burning agenda.

Conceptualized by ObservenowMedia, a niche New Age Digital Media Startup, in association with Credence & Camu, the glittering summit witnessed deliberations by over 30 education leaders from top Indian Universities on the numerous opportunities in the education segment. The event was captured by noted media houses and had a massive global reach.

### IMS, Featured as “The Best Management College of the Year 2021”

**Ghaziabad:** As a testimony to its untiring endeavors of combining academic excellence with global exposure for over 31 years, IMS Ghaziabad was featured as “The Best Management College of the Year 2021” by Higher Education Digest, a leading independent higher education portal and magazine in its recent issue.

The institute bagged the recognition on the basis of in depth interviews by the editorial team with Chairman Shri Naresh Agarwal; Managing Trustee Shri Nitin Agarwal, IMS Group of Institutions and Director, Dr. Urvashi Makkar. The discussion focused on the contribution of IMS Ghaziabad in the domain of management education in the country. Cutting edge innovative initiatives undertaken by the institute towards the holistic development of the students and faculty, innovation and entrepreneurship, course curriculum were some of the other key points covered.

### Power Packed Deliberations in Edu-Leaders Virtual Session

**Ghaziabad:** Carrying forward the legacy of glorious achievements of its internationally acclaimed faculty fraternity under the transformational mentoring of Director, Dr. Urvashi Makkar, IMS Ghaziabad is proud to share that Dr. Vaishali Agarwal, Professor & Head Controller of Examinations, will be gracing the prestigious Credence Council Edu-Leaders Virtual Session powered by Observenow, a niche New Age Digital Media Startup, on the theme “Making Education Quality Affordable” as an Expert Panelist on 15th December, 2021. The luminous session, widely covered by reputed media platforms will witness deliberations by an array of stalwarts from industry and academia.

### ‘Odha Do Zindagi’- A Noble Blanket Distribution Drive



**Ghaziabad:** Adding to its numerous socially driven initiatives, IMS Ghaziabad organized “Odha do Zindagi”, an extensive Blanket Distribution Drive on December 25, 2021. With the cooperation of Mr. Manpreet Mann, the renowned social worker and COVID hero, the enthusiastic students of the institute generously distributed 330 blankets to their less fortunate brothers and sisters braving the cold winter months on the pavements, slums and streets spread across Noida and Ghaziabad.

In keeping with the true spirit of Christmas, the selfless act of humanity organized under the patronage of the management of the institute and supported by altruistic contributions by Samaritans, helped the not so privileged shivering souls in the society and brought warmth in their lives. We are extremely thankful to Mr. Ashish Patel for funding the drive, which undoubtedly helped spread a few smiles!

## Extensive Global Insights from Expert of USA for PGDM Students

**Ghaziabad:** Carrying forward its rich academic legacy of empowering the budding managers with global exposure, IMS Ghaziabad, a premier Management Institute in India, successfully organized a Global Expert Talk on “Management of Change, Innovation and Technology” at its campus on 01 Dec. The session was graced by the esteemed deliberations of expert resource speaker Mr. Ashish Patel, Managing Director, Morgan Franklin Consulting, Washington, USA. The session was conceptualized under the mentorship of Director, Dr. Urvashi Makkar and coordinated by Dr. Ajay Kumar Patel, Dean Students Affairs and Dr. Naveen Virmani, Area Chairperson,



Operations, the session was envisioned to provide an in-depth understanding to the students on modern technology for effective and efficient decision making as well as generating understanding about an organization's need in the dynamic market landscape.

During the interactive session, Mr. Ashish Patel emphasized to the students that developing learning agility is a burning need of the hour for both individuals and organizations in order to survive and grow amidst the turbulent business environment. Sharing his

vast experience with the inquisitive young minds, he explained that the performance quotients of professional working in contemporary business organizations are measured not merely by their past performance but by a constant contribution for

further excellence. He added that technological adoptions must be fastened under the hawk eyed lens of administrative machinery.

Dr. Urvashi Makkar inspired the students to amplify the cumulative output of their energy by constructively managing the critical dimensions of body, emotions, mind and spirit. She highlighted the numerous ongoing vibrant initiatives at IMS Ghaziabad for extending global and corporate exposure to the young professionals. The energetic session stimulated the inquisitive minds of the budding managers and enabled them to analyze the importance of emerging technologies and innovative practices in sustainable business growth.

## IMS Ghaziabad, Lal Quan Organized a Global Expert Talk



**Ghaziabad:** In line with its academic legacy of providing global exposure to the young professionals, IMS Ghaziabad, a leading name in management education in India, successfully organized a Global Expert Talk on ‘Impact of Emerging Technology on Developing Competitive Advantage for Sustainable Business’ at its campus on November 23, 2021. The session was graced by the esteemed deliberations of expert resource speaker Mr. Ashish

Patel, Managing Director, Morgan Franklin Consulting, Washington, USA.

Critical insights were provided by Mr. Ashish Patel on use of Artificial Intelligence, Cloud Computing, Data Analytics, Change Management, and Creative Thinking as growth strategies by top organizations across the globe. Using multiple anecdotes, corporate examples as well as personal experiences, he deftly charted the shift in technology approach from being

used from big businesses to all businesses, from corporations to individuals and from being an enabler to being a key driver contributing to strategic advantage.

In her Inaugural Address, Dr. Urvashi Makkar highlighted the numerous ongoing vibrant initiatives at IMS Ghaziabad for extending global and corporate exposure to the young professionals. She further emphasized that learning from the rich insights of Mr. Patel, who carries with him an extensive international experience in diversified sectors will make the students well versed with the current trends present globally.

The highly interactive session stimulated the inquisitive minds of the budding managers and enabled them to analyze the importance of emerging technologies and innovative practices in sustainable business growth.

### A Session on Intellectual Property Rights



**Ghaziabad:** IMS Ghaziabad organized a highly relevant Workshop on “Protecting Innovation through Patents and Trade Secrets” on December 20, 2021 for PGDM students. The Expert Resource Speaker for the session was Mr. Rajat Malhotra, Principal Consultant, Ideas2IPR, who shared his insights on the various tools of IPR that can be used for protecting an idea from marketplace predators. Using multiple examples, situations and anecdotes, he skilfully explained the difference between and specific usage of trademarks, patents, designs, GI, copyrights and trade secrets. Coordinated by Dr. Ajay Kumar Patel, Dean Students Affairs, and Dr. Naveen Virmani, Area Chair, Operations, the interactive workshop was

instrumental in apprising the students about the process of filing of applications for patents and other IPR.

Delivering the Inaugural Address, Dr. Urvashi Makkar emphasized the importance of protecting Intellectual property in fostering innovation and enabling businesses and individuals reap the full benefits of their inventions. Inspiring the young minds to unleash their unique ideas, she highlighted the support system provided by the institute to harness the huge pool of talent present in the students in order to create growth opportunities. The session ended in an ambience of positivity wherein the budding enthusiasts who had submitted their novel ideas were felicitated.

### PGDM Students Join ‘Pariksha Pe Charcha’



**Ghaziabad:** IMS organized a Workshop on “Pariksha Pe Charcha (Strategies to Excel in Exams & Effective Study Habits)” on Dec-02. The critical session was delivered by Psychological Counselor, Ms. Aditi Jain to enable students cope with exam anxiety and learn effective time management skills.

‘Pariksha Pe Charcha’ is a part of the larger movement ‘Exam Warriors’ led by Prime Minister Narendra Modi to create stress free atmosphere for youngsters. Sharing her views during the workshop, Dr. Urvashi Makkar said that a little nervousness before exams can actually help students in performing better. However, she added, the challenge comes when the level

of anxiety increases past an optimal level such that it interferes with the studying or performance. Ms. Aditi Jain shared that there were no shortcuts to hard work and in order to get the best results of their efforts, students must start preparing well in advance and maintain the same tempo over a period of several weeks prior to the final examination.

She guided the students on techniques such as SQ3R (S – Survey, Q – Questions, R1 – Read, R2 – Recite and R3 – Revise) and Rosemary Techniques. Coordinated by Ms. Varsha Sharma, the session enabled the students in developing their private time tables and inculcating effective study habits.

## Inauguration of AICTE-ISTE Sponsored Induction/Refresher Programme



**Ghaziabad:** IMS organized the prestigious AICTE-ISTE Sponsored 6 Days Online Induction/Refresher Programme on “Social Media Marketing” from December 13-18, 2021. The prestigious program was graced by insightful deliberations from Keynote Speaker, Dr. Shweta Srivastava, Head Digital Marketing, Dr. Reddy Laboratories; Expert Resource Speakers, Mr. Shubham Tyagi, Director, Fooracles; Ms. Madhura Mukherjee, Training

Manager, Genpact; Dr. Urvashi Makkar, Director, IMS and Dr. Surabhi Singh, Professor, Marketing, IMS Ghaziabad. The programme witnessed the esteemed presence of Distinguished Guests Dr. P K Desai, President, ISTE; Prof. Vijay D Vaidya, Executive Secretary, ISTE and many more luminaries from industry and academia. Envisioned under the leadership of Director, Dr. Urvashi Makkar and coordinated by Dr. Surabhi Singh, the coveted

Induction/Refresher Programme was instrumental in sharpening the skills of the delegates on social media marketing which is essential in improving the standards of online learning in the institutions as per NEP 2020.

Speaking on the occasion, Dr. Urvashi Makkar drew attention to the multiple contemporary trends such as Artificial Intelligence, Influencer Marketing etc.

that were revolutionizing the disruptive landscape of social media marketing. The keynote speaker Dr. Shweta Srivastava deftly provided a crisp understanding on the use of social media and shared the multiple possibilities and best practices therein. The highly interactive session elicited enthusiastic participation from the delegates who were enriched by an in-depth understanding on how to exploit the tremendous potential of social media.

## A Session on “CMIE-Prowess IQ & Economic Outlook” Organized

**Ghaziabad:** IMS Ghaziabad, a premier institute in the domain of Management Education, organized a highly relevant User Awareness Programme on “CMIE-Prowess IQ & Economic Outlook” on December 14, 2021 for its faculty team. The critical session was envisaged in line with the vision of Director, Dr. Urvashi Makkar to boost academic excellence in the institute. The Expert Resource Speaker of the session was Mr. Sudarshan Negi, Business Relationship Manager,



Centre for Monitoring Indian Economy, who presented in-depth, industry-specific content in a simplified, clutter-free format. He deftly tracked the

developments in diverse domains such as technology, media, telecom, pharmaceuticals, automobiles, finance, economy etc. thus

unraveling the hidden trends and issues that are shaping the world.

Speaking on the occasion, Dr. Urvashi Makkar highlighted the significance of the session in

providing an understanding to the faculty on the unique quality databases and search features of CMIE Prowess which in turn would strengthen their research work by providing an accelerated access to critical information. Coordinated by Dr. Amit Bhati, the session was instrumental in apprising the participants on sector specific business trends and effectively analyzing the same for enrichment of publications, curriculum and classroom delivery.



## News Brief

## Alumni Talk on Data Science



**Ghaziabad:** Data is a precious thing and will last longer than the systems themselves. Data science is the field of study that combines domain expertise, programming skills, and knowledge of mathematics and statistics to extract meaningful insights from data. School of Information Technology of IMS University Courses Campus, Ghaziabad organized ALUMNI TALK ON “DATA SCIENCE” To provide insight of data scientist for BCA students on 4/12/2021 to make them familiar with the data science and various fields for data analytics. The session was taken by Mr. Shiv Kumar Sharma Senior Data science project management analytics-Accenture pvt ltd. BCA Batch 2012-15. The session was very informative and interactive and lots of students joined and learned about data science, data engineer, data analyst, data scientist and what are the skills required for data scientist, and case study using real time data. Our Guest handled every query of students in a very professional way. The session ended with the expectation for more such programs in future on the latest technology.

## Workshop on All about C

**Ghaziabad:** School of Information Technology of IMS Ghaziabad (University Courses Campus) organized a workshop on programming (All about C) that mainly focused on the basics of programming and all features of C language for our young technocrats. The session started at 3.00 p.m. sharp on 17/12/2021 which was held under the guidance of Prof. Surya Saxena, Faculty Coordinator, Desktop App Club. Total participants were 46 from BCA 1st Year. The workshop was all about making students familiar with the basics functionality and coding of C language and programming principles. The workshop was successfully driven by Mr. Chandrashu Tiwari (BCA 2nd year). Workshop imparted hands-on experience to the participants. It was a successful workshop and enamored by the students of BCA. It was a good experience for the first-year students and everybody gained a lot of knowledge. It shifted the interest of various students towards programming.

## Media Visit at News Nation Channel



**Ghaziabad:** The School of Journalism and Mass Communication of Institute of Management Studies, Ghaziabad (University Courses Campus) had organised a Media Visit & Participation in a recorded show, where students of BJMC final year of IMS Ghaziabad University Courses Campus visited News Nation Channel Sector 126 Noida. The name of the program was "Chai Garam" . And the topic was "UP Elections 2022. Three leaders from different parties shared their views and opinions on upcoming UP Elections. Each leader has shared how their party is better than others. The guest was Dinesh Dubey from BJP, Pankhudi Pathak from Congress and Raghvendra Dubey from Samajwadi Party. The Anchor of the programme was Deepak Chaurasia. The show was divided into two parts each show was of 20 Minutes duration. Along with the guest the audience and the students shared their opinions. Whole program was interesting and developed a curiosity amongst the audience about UP Elections 2022. It was an interactive session between the guest, anchor and audience as students asked their questions from the guest. It was overall an interactive session for the students. Students got to know about the TV Production, News Anchoring, about UP election 2022. Students also got to know about the major differences between a live and recorded news shows.

## Prastuti “PTC Competition” Organized by School of J &amp; MC

**Ghaziabad:** The School of Journalism and Mass Communication at IMS Ghaziabad University Courses Campus organized ‘Prastuti’ the piece to camera competition on December 17, 2021. The event was held in the presence of the faculty members. It was led and executed successfully under the able leadership of Prof. Anurag Singh. Piece to camera is an important part of a news package. They can establish a reporter's authority and credibility. Pieces to camera can also be used to get around a lack of pictures, or to demonstrate a piece of machinery or a process or highlight a particular location. The event was a part of one of the various unique and educational events under the practical training-based teaching pioneered by IMS Ghaziabad. The purpose of the event was to instill and teach the importance of piece to camera and its various techniques to the students.

The event was inaugurated by Prof. Girish Kumar. It received judgments from Prof. Sandhya Sharma and Prof. Khursheed Alam. The students were judged on the parameters of fluency in speaking, pronunciation, confidence, clarity in voice and voice modulation. The students participated in groups of two, where one person was talking directly to the camera and speaking on any current news while the other was handling it. The event was concluded by declaration of winners and words by the judges and Prof. Anurag Singh. Anushka Pandey from BJMC 3rd year and Muskan from BJMC 3rd year were awarded the first and second prize respectively. The students understood the difficulties and skills one has to face when in front of the camera. They also learnt about the importance of Piece to Cameras .

## “PROPEL: Managing Businesses &amp; People through LCM”

**Ghaziabad:** The event began with prayer and blessings of the almighty. Followed with gracious welcome of the dignitaries and the honorable guest. The students were informed about the latest achievements of the institute.

Dr. Geeti Sharma proposed a welcome address, followed by introduction of the guest, leading to commencement of the workshop.

The workshop revolved around the theme of understanding management fundamentally along with knowing concepts of LEADERSHIP, COMMUNICATION AND MOTIVATION. Management works in a united unit i.e. not just being a team but having unity in the team makes management function smoothly. LEADERSHIP: is not a title & designation but it is action & example. She motivated the students by explaining that management is like creating a great



movie when directed all the same way; and that all can become leaders unique in their way. Leadership types being autocratic, democratic and laissez faire, all was explained individually and thoroughly to the students. She explained the suitability of each type of leadership in the industry. She motivated the students to be strong fundamentally on management concepts to become great future leaders, managers and entrepreneurs.

She graphically explained situational leadership, rather a newer topic for the students was

well learned gradually. She explained a few tips such as : DELEGATE- people ready to work and are skilled, CONTROL- people who aren't ready and not skilled enough.

She emphasized that a good leader is the one who can switch between those leadership types when they need to and typically, every leader will need to, because one type doesn't fit all businesses. COMMUNICATION: is the transfer of information from the sender to receiver, giving rise to the chance to have feedback in return and might all be hindered



with noise (jargons, language, perception etc.).

She explained the communication model, formal and informal type of communication. She emphasized understanding noise and knowing to prevent it in order to become real masters of communication. She made the students play an activity (listening and drawing). She gave an effective method to improve communication skills i.e. T-TONE, I-INTONATION, P-PAUSING, S-SPEED. She explained the JOHARI window in an interactive way using an activity

(worksheet – know thyself and around you).

She expressed the importance of being comfortable in being uncomfortable in order to learn and grow in life. MOTIVATION : having a motive, having the drive to strive, it can be internal or external.

She explained various theories about motivation and also made the students do an activity related to it, which made the theoretical foundations easier to understand. It was a productive, relatable and wonderful session to learn, understand and study.

## Guest Lecture on Exploring Management



**Ghaziabad:** School of Management, IMS Ghaziabad University Courses Campus has organized a guest lecture entitled “Exploring Management” on Dec 2nd, 2021 in the IMSUC Campus Auditorium. The resource person of the lecture was Mr. Puneet Naaz Arora, Managing Partner RVA Consulting.

Through his lecture he briefed about management through managerial games. He also talked about the evolution of management from barter systems to crypto currency. Through the first activity, he explained how a leader must identify the right task and the ways to achieve it. He also

explained the three pillars of management that are Guiding, Directing, and Controlling. He taught 10 different lessons using the examples from a movie – URI THE SURGICAL STRIKE.

He also made students understand the people's behavior in an organization, and the nature of power, influence, and leadership. He also helped students to give insight into how management will help them to make better decisions in a variety of scenarios, whether proactive or reactive. He added vibrancy and energy through his realistic and unique approach towards teaching the students about management.

## Poster Making Competition Organized by School of Management



*“Painting is easy when you don't know how, but very difficult when you do” – Edgar Degas*

**Ghaziabad:** “Splash- the art and craft club at IMS University courses campus organized the Poster Making Competition on 'Energy Conservation' for the students with artistic and creative mind set. We are glad to have the overwhelming responses of 27+ participants. Students participated with a lot of enthusiasm as they put their artistic imagination and creativity skills to make creative posters on energy conservation

with different themes, for example solar energy wind energy thermal energy etc.

The idea behind organizing this art and craft activity was to bring out the enormous talent among students the time duration was the event was 90 minutes where the criteria for assessment was concluded by the judges giving the statements the event will managed with all club members under the guidance of Dr. Nidhi Srivastava it was a wonderful event. The winners were

rewarded with a trophy and participation certificate to all the participants for their participation.

*The following students bagged the price*

*First position - Mansi Bansal (BBA)*

*Second position - Manveen Kaur (BBA 1 year)*

*Third position - Vishakha Gupta (BSc MB)*

*Consolation prize goes to Ujwal Singh (BBA 1st year) Shruti Gupta (BSc 1st year)*

## HR Analytics Workshop Organized by School of Management

**Ghaziabad:** IMS Ghaziabad University Courses Campus strives to make its students employable, and as a result, it regularly organizes guest lectures, workshops, seminars, and conferences. The School of Management has organised a workshop titled "HR Analytics" on December 3, 07, and 10 (2021) for BBA HR Specialization students (2019-2022) students on online and offline mode. The resource person for the workshop was Mr. Kapil Kumar, Lead Corporate HR at British Council. He is an enterprising, enthusiastic, and accomplished professional with rich experience in the area of HR Analytics and is also a globally certified HR analyst.



**DAY 1:** The first day's sessions began at 2:00 PM on the Zoom Platform. A total of 40 students attended the workshop. Mr. Kapil Kumar was introduced by Miti Srivastav and Yashika Gupta, MOCs of the program, and then briefed about HR and its link with analytics. Sir began with the fundamentals, discussing what

HR Analytics is, how it relates to the HR post-pandemic, why it is critical for any organisation to handle its work with the help of data visualization, and how this data visualisation can change the game and help an organisation achieve its ultimate goals. The two-hour session of the first day ended with addressing the various

questions of the students.

The topics that were covered for the day were as follows:

- Introduction of HR Analytics
- Types of Analytics
- Talent Demographics

**DAY 2:** has begun with the discussion of different types of HR analytics models. The resource person has also covered the partnership between data and strategy, organisational expectations, HR challenges while handling data, and strategy validation framework using data in the current scenario.

**DAY 3:** The third day began with a discussion of the students' questions and concerns from the prior session. An assessment session was carried out, where we

were given a set of databases and all the students were required to solve the questions using different Microsoft Excel techniques, like creating a pivot table, using different formulas, filters, and shortcuts. Sir also assisted us in the creation of the pivot table and the design of the graphs in accordance with the specifications. As a result, each student had the opportunity to speak with Sir and ask him questions. At the end of the session, Prof. Vanchan Tripathi, HR Specialization Head, presented the memento and sapling to Mr. Kapil Kumar. Later on, Mr. Kapil Kumar, Dr. Shilpi Sama, and Prof. Vanchan Tripathi distributed the workshop certificates to the students.

## Expert Guest Lecture Series Organized by School of Management

**Ghaziabad:** School of Management at IMS Ghaziabad UC campus organized the Expert Guest Lecture series on “Building resilience for growth in the manufacturing sector” for Management Students. The session began with a warm reception of our honourable guest Dr. Amitabh Rajan (IAS Retd.) Chairman, Reserve Bank of India Services Board. Director, IMSUC Ghaziabad, Prof. (Dr.) Ajay Kumar welcomed the guest with a memento as a token of gratitude. Our honourable guest



addressed students on some important aspects for growth in the Manufacturing sector and the future challenges that would be faced by the world. He talked about the 4th industrial revolution and how we can shape

the new manufacturing sectors, new reliable ideas should run the world and how the situation will be tomorrow. Dr. Rajan also discussed the cluster city concept developed by China in making the country the

manufacturing hub and how India can learn to build its manufacturing sector.

Sir had discussed various challenges facing manufacturing sectors; he also discussed the Global Financial crisis (2008). The crisis led to the Great Recession, where housing prices dropped more than the price plunge during the Great Depression. He also presented his thoughts on the topic which was the rise of fintech and blockchain in the manufacturing sector.

He also recommended reading

various books related to high economic and global intellectual delegates which will help broaden the perspective of students in the global management sector. Overall, the session was highly beneficial for the students to learn about the current and future scenario of the manufacturing sector in the global world and what new methods can be adopted to enhance resilience. The guest lecture came to a conclusion with votes of thanks by Prof. Vanchan Tripathi, Asst Professor, School of Management.



# जनरल रावत की हादसे में मौत, देश को बड़ा

# झटका



8 दिसंबर की दोपहर जब तमिलनाडु के कुनूर में एक हेलीकॉप्टर हादसे में देश के पहले सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) जनरल बिपिन रावत को खो दिया। यह ऐसा हृदय विदारक हादसा है जिसने संपूर्ण देश को झकझोर दिया।

सरवन कोरी

सुलूर से वेलिंगटन के लिए रवाना हुआ वायुसेना का MI17 V5 हेलीकॉप्टर अपने गंतव्य स्थान से लगभग 16 किलोमीटर पहले ही नीलगिरी के पास कुनूर के नंजप्पा चथारम में दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। देखते ही देखते हेलीकॉप्टर आग की लपटों से घिर जाता है, आस पास मौजूद निवासी और बचावकर्मी आग को बुझाकर उसमें सवार लोगों को बचाने का प्रयास करते हैं पर विफल रहते हैं।

इस दुःखद हादसे में जनरल बिपिन रावत उनकी पत्नी मधुलिका रावत समेत उसमें सवार 11 अन्य अफसरों (डिफेंस एडवाइजर ब्रिगेडियर लखवेंद्र सिंह, स्टाफ ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान, स्ववाइन लीडर कुलदीप सिंह, जूनियर वारंट ऑफिसर राणा प्रताप दास, जूनियर वारंट ऑफिसर अरवकल प्रदीप, हवलदार सतपाल राय, नायक गुरसेवक सिंह, नायक जितेंद्र कुमार, लांस नायक विवेककुमार, लांस नायक बी. साई तेजा) की मौत हो जाती है, जिसकी सूचना भारतीय वायुसेना अपने आधिकारिक ट्वीट के जरिये शाम 6 बजकर 3 मिनट पर देती है, ग्रुप कैप्टेन वरुण सिंह को बहुत ही गम्भीर हालत में वेलिंगटन केमिलिट्री अस्पताल ले जाया जाता है, परन्तु 15 दिसंबर को बेंगलुरु के वायुसेना कमांड अस्पताल में उनकी भी मृत्यु हो जाती है।

इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, हादसे के तुरंत बाद ही रक्षा मंत्री



राजनाथ सिंह जनरल बिपिन रावत के घर पहुँचे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति राम नाथ सिंह कोविंद, विपक्ष नेता राहुल गाँधी समेत अन्य लोगों ने ट्वीट के जरिये अपना दुःख जाहिर किया। हादसे की जाँच और इसके पीछे के कारणों को जानने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्राई सर्विस इन्क्वायरी (त्रिसेवा जाँच) के आदेश दिए जिसमें तीनों सेनाओं से चुने सैन्य कर्मचारी हादसे के पीछे के कारणों का पता लगाएँ।

दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर रूस निर्मित MI 17 V5 हेलीकॉप्टर है, जिसे 2012 में भारतीय वायुसेना में लाया गया था, यह हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक और उड़ान के लिए

भरोसेमंद माना जाता रहा है, देश के प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति की यात्रा के लिए इसी हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल होता रहा है और दुनियाके 50 से अधिक देशों में इस हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल यात्रा तथा सैन्य जरूरतों के लिए होता है, परन्तु अत्याधुनिक और भरोसेमंद माने जाने के बावजूद बीते दशक में इस हेलीकॉप्टर से कई दुर्घटनाएँ देखी जा सकती हैं, 7 अक्टूबर 2017 में चीन बॉर्डर की तरफ जाते हुए अरुणाचल प्रदेश के तवांग शहर के पास एक MI 17 V5 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है जिस कारण उसमें मौजूद सातों सैनिक शहीद हो जाते हैं, इसी प्रकार 15 जून 2013 को

उत्तराखंड के बाढ़ बचाव अभियान से लौटते हुए यह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है जिससे चालक दल समेत 8 लोगों की जान चली जाती है।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत को इस प्रकार खो देना देश के लिए बहुत ही शोक और चिंता का विषय है, जनरल बिपिन रावत का परिवार कई पीढ़ियों से भारतीय सेना की सेवा करता आ रहा है, उनके पिता लक्ष्मण सिंह रावत स्वयं 1988 में लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में थल सेनाध्यक्ष के पद से सेवानिवृत्त हुए थे, जनरल बिपिन रावत ने दिसंबर 2016 में 27वें मुख्य थल सेनाध्यक्ष का पद धारण किया था और जब देश को एक ऐसे पद की

आवश्यकता महसूस हुई कि जिसमें तीनों सेनाओं (थल, जल, वायु) के केंद्र में कोई रह कर उसका संचालन कर सके तब जनरल बिपिन रावत दिसंबर 2019 में भारत के सबसे पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) के रूप में कार्यभार संभाला, पुलवामा हमले के बाद 2019 में पाकिस्तान के बालाकोट में हुए एयर स्ट्राइक के पीछे भी जनरल बिपिन रावत ही थे। देश की सुरक्षा और सेना में उनके योगदान के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवापदक जैसे ढेरों पदकों से पहले ही सम्मानित किया जा चुका है, जनरल बिपिन रावत पी.एच.डी भी थे, उन्होंने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय सेमिलिट्री मीडिया स्ट्रेटिजिक स्टडी में पी.एच.डी की उपाधि प्राप्त की थी। अपना सारा जीवन भारतीय सेना के लिए लगा देने वाले बिपिन रावत अपने अंतिम समय में भी वही कर रहे थे, वेलिंगटन स्थित डिफेंस सर्विस स्टाफ कॉलेज में उन्हें नए सैन्य कर्मचारियों के लिए भाषण देने के लिए जाना था, पर अफसोस कि बीच में ही ये दुर्घटना हो गयी, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के शेष होने से एक साल पहले ही इस दुःखद हादसे में उनका निधन हो जाने से देश के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है, उनके जैसे सक्षम मुख्य सेना अध्यक्ष खोजने की।

There is a difference between talk and action. One should only believe in talks when they see action happening on the ground."  
-General Vipin Rawat

## Creative Corner

### मीलों का सफर था बस चलते आया हूँ

मीलों का सफर था बस चलते आया हूँ  
वो थकान में कहीं और छोड़ आया हूँ  
ध्यान रखना तू भी जमाना  
वक्त के देख कई मोड़ आया हूँ  
अब तो बहुत निडर हो चुका हूँ  
मैं कई डरों को डरा कर यहाँ आया हूँ  
तकलीफ है पर दर्द नहीं  
देखे चेहरे अनदेखे करने आया हूँ  
मिलना है बस इसलिए की तू खुदा नहीं  
तू जरिया है करने का बस ये कह आया हूँ  
सुना, नहीं चाहता है 'पुष्प' इसलिए  
कम शब्दों में यह सब लिख आया हूँ



डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार

## "WE GO WHERE OUR ATTENTION GOES"



Dr. Divya Pant

I write this story from the window seat of the train; the window is wide open and I can feel many stories to fill the spaces inside me.

There's something pleasant to the senses about travelling from the train. A feeling of love emanates the environment around us that it ends up affecting us if we choose to welcome it's healing benefits. A shift must occur in ourselves first if we are truly to be able to fully reap the benefits of this natural exchange from nature.

The shift is quiet and inwardly focused completely. No one can initiate the shift for us unless we choose to let ourselves feel the beauty and richness in being exactly where we are in the present. When we do allow ourselves the space to listen and surrender to the movement and noise of wherever we find ourselves in this world, we can see the beautiful flow of nature. Ultimately, the beauty of nature is all around us, it just takes an intentional shift to be completely surrendered to the divine presence in front of our eyes to witness it deeply.

Well, the choice is individual. It's unique. It's subjective. All outcomes of being are synonymous; being aware of the love around us where we are, but the action and approach towards arriving to this space has everything to do with our distinct choices to intentionally shift our focus. If there is an answer you seek to this question, I am afraid I cannot give you that answer. Only you can really answer it for yourself when we can slow down enough to see.

There's a saying that says, "we go where our attention goes," and in this case, that is definitely true.

Let's say we are having a day where our body feels riddled with overwhelming thoughts and sensations, like stress and anxiety. If we arrive from a place of dis-ease, we may find it more difficult to shift into love because our minds are consumed with thoughts, and the way we think certainly does influence our perception of the world around us. However, even if we are riddled with tension and thoughts, we can find it comforting to shift into love more effortlessly if we can let go of the thoughts and come to a place of total surrender to everything outside of our current focus, which is (for this story) what is going on outside our windows.

Acceptance arises where we meet ourselves in a space where there is no sense of time, just a rich, meaningful fulfilment of being present with where we are at. I told you in the beginning here that I was sitting on the window seat of the train, and I can tell you, love is flowing through me in ways that fill myself with a divine trust in where I am in this world. A trust that is guiding me and my intuition through the day with love in my heart because I can feel the love of the earth's heartbeat moving through my being as I continue to watch the world just be. It reminds me to slow down, not take life too seriously, and enjoy the moment for what it is, without needing to change a single thing about it.

## Creative Corner

### विद्यार्थी हूँ मैं!



प्रशांत कुमार दांक

विद्यार्थी हूँ मैं!  
शिक्षा ही बस धर्म है मेरा,  
शिक्षा ही बस कर्म है मेरा,  
मैं ना जानू जात-पात,  
मैं ना जानू धर्म-कर्म,  
सारे विद्यार्थी है साथी मेरे,  
मेरे लिए ना कोई अपने-पराये,

विद्यार्थी हूँ मैं!  
मैं ना जानू भेद-भाव,  
मैं ना जानू ईश्या-द्वेष,  
यहाँ ना कोई छोटा-बड़ा,  
यहाँ है सबका एक ही वेश,  
चारो दिशाएँ है मेरी,  
मेरे लिए एक समान पूरा देश,

विद्यार्थी हूँ मैं!  
मेरे लिए आदरणीय सब गुरुजन,  
मुझे लगाना है बस पढ़ाई में मन,  
शिक्षा ग्रहण करने हूँ आया,  
शिक्षा से दूजा कोई काम ना भाया,  
मुझे गुरुजनों ने सिखाया है,  
शिक्षा से बढ़कर ना कोई माया है।

मिल-जुल कर सबसे रहना है,  
सदा यही है हमें सिखाते,  
भगवान ना करते भेद-भाव किसी से,  
यह तो मनुष्यों का छलावा है।

विद्यार्थी हूँ मैं!  
जिस घर में मैंने जन्म लिया,  
जिस घरती पर पंख फैलाये,  
उद्धार करूँ मैं उस घर का,  
उस घरती पर न्यौछावर प्राण करूँ,  
सदा चलू उन्नति के पथ पर,  
एक उन्नत राष्ट्र का निर्माण करूँ।

विद्यार्थी हूँ मैं!  
ईश्वर से करूँ सदा प्रार्थना यही,  
बुरी संगति से मुझे बचाना,  
ना छू पाये कोई बुरी लत मुझे,  
ना किसी बुराई के पथ पर चलाना,  
आदर करूँ अपने बड़ों का सदा,  
छोटो को भी यही सीख सिखाऊँ।

### Out for a walk

Deliriously jumping up and down  
The little devil was turning round and round  
Vigorously he pulled, tremendous  
was his might  
With the restraining leash he was  
having a fight



Saanuj Sood

Seeing this spectacle I had to oblige  
Quickly I opened what he clearly despised  
Together we both went out for a walk  
When we would come back? We did not have that talk

His eyes shone as on all fours he shimmied  
Behind him I quickly scurried  
The serene park where people croon  
Was the place where we would be at soon

The lush green trees, the fragrant flowers  
Welcomed us with their arms wide ajar  
Together we both had gone out for a walk  
When we would come back? We are yet to have that talk

## फौजी

तपते रेगिस्तान में जलता है खामोशी से  
कभी सर्द रातों में वो तपन चाहता है।  
इश्क से कोई नाता नहीं  
बस वो मां भारती से इश्क करना चाहता है।  
क्या सदी क्या गर्मी  
वो अपनी देश की रक्षा करना चाहता है।

तौहफे में, गाड़ी बंगला और शोहरत नहीं  
होने को शहीद, कफन चाहता है।  
आंखों में आसूँ नहीं  
अपने फर्ज का जुनून चाहता है।

सरहद पर बनेके यमराज  
दुश्मनों की चीखें सुनना चाहता है।  
दे दी जान उसने मिट्टी की लाज रखते रखते  
अब वो मां भारती में दफन चाहता है।  
रुह उसकी बेचैन थी वतन की फिक्र थी  
फिर भी हार नहीं मानता और एक बार और खड़े होने की  
कामना चाहता है।  
रब ने पूछा आखिर चाहता क्या है  
जवाब में वो वतन वापसी चाहता है।



चाहत सिंह

## तुम्हारा साथ



सुहानी राय

खुले आसमां की चांदनी में बैठा खूबसूरत जोड़ा  
बुनता अपने सपनों की दुनिया,  
प्रेमी कहता प्रियतमा से हे प्रिये!  
ब्याह बाद जब तुम आना मेरे अपने आंगन में,  
साथ लाना बचपन की यादें खूब सलीकें से सजाकर,  
श्रृंगार के डिब्बे में तुम आभा स्वर्ण सी,  
चांदी सी मुस्कान दहला हीरे सी लाना  
मिले कोई छोटा सा डिब्बा उसमे लाना कमियां अपनी,  
एक पोटली में बांधना दुःख, ख्वाब, खुशियां और राज,  
ये सब भी मेरे होंगे जैसे तुम मेरी हो आज,  
गुजरे पलों के हिस्से और बीती हुई कहानियां,  
कागज का एक लिफाफा लेना बंद करना उसमे अपनी  
स्मृतियां,  
दौलत वाला क्यों दहेज मांगू मैं मुझे बस तुम्हारा प्यार चाहिए,  
समय का सारा खालीपन, आत्मा का सारा हिस्सा,  
बहुत नहीं इस जन्म का साथ प्रिये! हर जन्म तुम्हारा साथ चाहिए।